संस्थापक : श्रद्धेय राकेश भारद्वाज
समूह संपादक : रवि भारद्वाज
देहरादून, बुधवार, 13 सितंबर 2023 ₹ 1
www.actionindialive.com facebook.com/actionindialive

टीएमसी सांसद और बंगाल की चर्चित एक्ट्रेस नुसरत जहां सीनियर सिटीजन्स से फ्लैट बिक्री में करोड़ों रुपए के फ्रॉड मामले में प्रवर्तन निदेशालय के सामने पेश हुईं।

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

एक्शन इंडिया

वर्ष: 14 अंक: 244 पृष्ठ: 08
RNI : UTTHIN/2009/31653
actionindiaddn@gmail.com
उत्तराखण्ड संस्करण
दिल्ली - हरियाणा - हिमाचल प्रदेश - उत्तराखण्ड
RKB GROUP
Rakesh Bhardwaj Group

केंद्रीय शिक्षामंत्री प्रधान और मुख्यमंत्री ने विद्या समीक्षा केंद्र का किया शुभारंभ

स्थापना

▶▶ बेहतर मॉनिटिरिंग व शिक्षा के कम्प्यूटरीकरण को लेकर विद्या समीक्षा केन्द्र की स्थापना की गई है

देहरादून/टीम एक्शन इंडिया
केन्द्रीय शिक्षामंत्री धर्मेन्द्र प्रधान और मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मंगलवार को ननूरखेड़ा स्थित विद्यालयी शिक्षा महानिदेशालय के परिसर में विद्यालयी शिक्षा के अंतर्गत विद्या समीक्षा केंद्र सहित अन्य कार्यों का लोकार्पण और शिलान्यास किया। इस मौके पर शिक्षा व उच्च शिक्षा मंत्री धन सिंह रावत, राज्यसभा सदस्य नरेश बंशल, रायपुर विधायक उमेश शर्मा, विद्यालय शिक्षा महानिदेशक बंशीधर तिवारी प्रमुख रूप से मौजूद रहे। केंद्रीयमंत्री ने प्रदेश के 141 पीएम-श्री स्कूल्स व 320 लाख रुपये की लागत से बनने वाली नेताजी सुभाष चन्द्र बोस आवासीय छात्रावासों, श्रीनगर और टनकपुर का शिलान्यास किया। इसके अलावा राजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय खेड़ी शिकोहपुर के विद्यालय उच्चीकरण (152.लाख रुपये) और समग्र शिक्षा वर्ष 2023-24 के अंतर्गत स्वीकृत जनपद ऊधम सिंह नगर में नेताजी सुभाष चन्द्र बोष आवासीय छात्रावास गदरपुर के उच्चीकरण (320 लाख रुपये) के भवन निर्माण कार्य का शिलान्यास किया। उच्च शिक्षा विभाग के अंतर्गत मुख्यमंत्री उच्च शिक्षा मेधावी छात्रवृत्ति योजना और उच्च शिक्षा शोध प्रोत्साहन योजना का विधिवत शुभारम्भ किया किया। इसके अतिरिक्त एनडीए, आईएमए, कैडेट पुरस्कार योजना के तहत राज्य से इस वर्ष चयनित कुल 77 कैडेट्स को 50 हजार रुपये की प्रोत्साहन राशि के चेक भी वितरित किए गए।
प्रदेश के शिक्षामंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने बताया कि केन्द्र सरकार के सहयोग से शिक्षा के साथ-साथ बेहतर मॉनिटिरिंग व शिक्षा के कम्प्यूटरीकरण को लेकर विद्या समीक्षा केन्द्र की स्थापना की गई है। प्रथम चरण में स्वीकृत 141 पीएम-श्री स्कूल्स और 320 लाख की लागत से नेताजी सुभाष चन्द्र बोस आवासीय छात्रावासों टनकपुर का शिलान्यास किया। जिनके निर्माण के लिए केन्द्र सरकार ने इसी वित्तीय वर्ष में 7291.42 लाख की स्वीकृति देते हुए प्रथम किस्त 1823 लाख रुपये जारी कर दी है। द्वितीय चरण के पीएम-श्री स्कूल्स की स्वीकृति शीघ्र मिलने की उम्मीद है।
उन्होंने बताया कि 6 से 12 आयु वर्ग के गरीब एवं असहाय छात्र-छात्राओं के लिए तीन नेताजी सुभाष चन्द्र बोस आवासीय छात्रावासों का शिलान्यास भी किया गया है। यह श्रीनगर (पौड़ी गढ़वाल), ऊधमसिंह नगर एवं चम्पावत में खोले जाएंगे। प्रदेश के 11 जनपदों में आवासीय छात्रावास पूर्व से ही चल रहे हैं। इनमें लगभग तीन हजार छात्र-छात्राएं रह रहे हैं।

तीन दोस्तों ने ही की थी दीपक की हत्या

हरिद्वार/टीम एक्शन इंडिया
युवक की हत्या के मामले में पुलिस ने उसके ही तीन दोस्तों को गिरफ्तार किया है। युवक की हत्या का कारण नशा बना। पुलिस ने तीनों हत्यारोपितों का चालान कर जेल भेज दिया है।
बीती जुलाई के अन्तिम सप्ताह में गंगनहर कोतवाली क्षेत्र से एक युवक लापता हो गया था। युवक दीपक का शव परिजनों को तलाश के दौरान 26 जुलाई को आम के बगीचे में पड़ा मिला था। इस मामले में पुलिस ने मृतक के परिजनों को इंसाफ दिलाने के लिए जानकारी एकत्र की।
इसमें पता चला कि मृतक युवक और उसके कुछ अन्य दोस्त नशा करने के आदी थे। पड़ताल करने के पश्चात अन्य कॉल डिटेल के बाद पुलिस ने पुख्ता वैज्ञानिक साक्ष्यों के आधार पर आरोपित रवि, नितिन व सन्नी को हत्या के मामले में हिरासत में लिया।
विवेचना के दौरान सामने आया कि 26 जुलाई को चारों दोस्तों ने खेतों में बैठकर स्मैक पी। पीने के लिए और स्मैक मांगने पर मृतक दीपक द्वारा मना करने व पैसे देकर स्मैक लेने की बात करने पर हुए विवाद पर तीनों ने मृतक के हाथ पकड़ कर उसके साथ मारपीट की और गला दबाकर दीपक को मरा हुआ समझ तीनों मौके से भाग गए। पकड़े गए तीनों आरोपितों के नाम रवि पुत्र प्रमोद, नितिन पुत्र दीपलाल, सन्नी पुत्र धर्मेन्द्र निवासीगण इब्राहिमपुर देह कोतवाली गंगनहर रुड़की हरिद्वार बताए। पुलिस ने तीनों का चालान कर दिया है।
गौरतलब है कि मृतक के भाई ने मृतक के दोस्त रवि पर दीपक की हत्या करने की संभावना जताते हुए कोतवाली गंगनहर में 09 सितम्बर को हत्या की धाराओं में मुकदमा दर्ज कराया था।

न्यूज फ्लैश

हरिद्वार में दो हत्याओं के बाद एक और हत्या से मचा हड़कंप

हरिद्वार/टीम एक्शन इंडिया
धर्मनगरी हरिद्वार में एक ही दिन में दो मर्डर की गुत्थी पुलिस अभी सुलझा भी नहीं पाई कि मंगलवार को ज्वालापुर क्षेत्र में एक व्यक्ति की सिर कुचलकर हत्या कर दी गई, जिससे पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया। फिलहाल पुलिस शव को कब्जे में लेकर घटना की जांच में जुटी है। कल कोतवाली हरिद्वार में कनखल निवासी युवक की दिनदहाड़े हत्या कर दी गई। पुलिस अभी हत्यारों की तलाश में जुटी हुई थी कि शाम होते-होते कनखल क्षेत्र में एक बुजुर्ग की हत्या से पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया। अभी चिकित्सक के हत्यारों को पुलिस खोज भी नहीं पाई कि आज मंगलवार सुबह ज्वालापुर के आर्यनगर में एक 45 वर्षीय व्यक्ति की सिर कुचलकर हत्या करने का मामला सामने आने से पुलिस की कार्यशैली पर सवाल खड़े हो गए हैं।

कृषि को डिजिटलाइज करने में पतंजलि के कार्यो की वैश्विक स्तर पर स्वीकार्यता

हरिद्वार/टीम एक्शन इंडिया
कई दशकों से पतंजलि योगपीठ कृषि क्षेत्र में जैविक उत्पाद और किसानों के आजीविका अभिवृद्धि के लिए निरंतर शोध कर रहा है। कृषि के डिजिटलीकरण में भी पतंजलि के कार्यों को वैश्विक स्तर पर स्वीकार्यता मिल रही है।
पतंजलि कृषि क्षेत्र में नित नए कीर्तिमान स्थापित कर रहा है। इसी कड़ी में वैश्विक स्तर की शोध पत्रिका स्मार्ट एग्रीकल्चर टेक्नोलॉजी एलसेवर में एक शोध आलेख प्रकाशित हुआ है, जिसमें कृषि को डिजिटलाइज करने में पतंजलि के प्रयासों की सराहना की गई है। यह कृषि के क्षेत्र में पतंजलि की प्रभावशाली पहचान को दर्शाता है।
इस अवसर पर योगपीठ में आचार्य बालकृष्ण ने कहा कि कृषि को डिजिटलाइज करने के लिए भारत सरकार प्रयासरत है। इस कार्य में पतंजलि ने हरित क्रांति तथा अन्नदाता एप विकसित करके किसानों की कृषि भूमि की जियो मैपिंग व जियो टैगिंग, खेत की मिट्टी की गुणवत्ता से लेकर जैविक खाद, उन्नत किस्म के बीज, कीटनाशक, मंडी संबंधी जानकारी व अन्य कृषि उत्पादों के बाजार संबंधी एक सम्पूर्ण समाधान एक जगह उपलब्ध कराया है।
उन्होंने कहा कि पतंजलि का अनुसंधान निश्चित रूप से किसानों की आय की अभिवृद्धि के लिए कार्य कर रहा है। एक ओर पतंजलि ऑर्गेनिक रिसर्च इंस्टीट्यूट के कुशल वैज्ञानिकों की टीम निरंतर कृषि को उन्नत बनाने के लिए प्रयासरत है, तो वहीं पतंजलि की आईटी की टीम कृषि को सरल बनाने के लिए संकल्पित है। हरित क्रांति व अन्नदाता एप यूजर फ्रेंडली हैं। इन्हें संचालित करना बहुत आसान है। ये एप किसानों के लिए वरदान सिद्ध हो रहे हैं।

आंदोलनकारियों के लिए बनी समिति के अध्यक्ष बने संसदीय कार्यमंत्री

देहरादून/टीम एक्शन इंडिया
संसदीय कार्य मंत्री को डा. प्रेमचंद अग्रवाल को आंदोलनकारियों के लिए बनी समिति का सभापति नियुक्त किया गया है।
विधानसभा सचिवालय के सचिव शहंशाह मोहम्मद दिलवर दानिश की जारी की गई अधिसूचना में 8 सितम्बर के उपवेशन में इस प्रस्ताव को स्वीकार किया गया है कि उत्तराखंड आंदोलन के चिह्नित आंदोलनकारियों और उनके आश्रितों को राजकीय सेवा में आरक्षण विधेयक 2023 विधानसभा की एक प्रवर समिति को निर्दिष्ट किया जाए जो अपना प्रतिवेदन 15 दिन में प्रस्तुत करें।
इस समिति में जिन सदस्यों को नामित किया गया है, उनमें विधायक मुन्ना चौहान, विनोद चमोली, उमेश शर्मा काऊ, शहजाद, मनोज तिवारी और भुवनचंद्र कापड़ी के नाम शामिल हैं। अध्यक्ष उत्तराखंड विधानसभा की प्रक्रिया और कार्य संचालन नियमावली के नियम के अंतर्गत प्रेमचंद अग्रवाल संसदीय कार्य मंत्री को इस समिति का सभापति नियुक्त किया गया है।

उत्तरकाशी के जिला अस्पताल में डेंगू के 5 मरीज भर्ती

उत्तरकाशी/टीम एक्शन इंडिया
राजधानी देहरादून के बाद उत्तरकाशी में डेंगू ने पांव पसार लिये हैं। जिला अस्पताल के डेंगू वार्ड में डेंगू के संभावित पांच मरीज भर्ती होने से अस्पताल प्रशासन में हड़कंप मच गया है।
जिला अस्पताल प्रशासन डेंगू की रोकथाम के लिए पूरी तरह अलर्ट मोड पर है। प्रमुख चिकित्सा अधीक्षक डॉ बी. एस. रावत ने बताया कि डेंगू की रोकथाम के लिए पूरी टीम अलर्ट मोड़ पर है। उन्होंने बताया कि जिला अस्पताल उत्तरकाशी में डेंगू के मरीजों के लिए 10 बेड का वार्ड भी बनाया गया है। डेंगू के लिए एक नोडल फिजिशियन डॉक्टर नियुक्त कर दिया है। जिला अस्पताल उत्तरकाशी में डेंगू के ऐसे पांच संभावित मरीज भर्ती हैं, जिनमें डेंगू के लक्षण पाए गए हैं। हालांकि इनकी रिपोर्ट आनी अभी बाकी है।
जिला अस्पताल पूरी तरह अलर्ट मोड पर है और डेंगू की रोकथाम के लिए शासन द्वारा जारी निर्देश के अनुसार कार्य किया जा रहा है। डॉक्टरों का कहना है कि अधिकांश डेंगू के मरीज चिन्यालीसौड़ या अन्य जैसे देहरादून ,हरिद्वार आदि स्थानों से ट्रेवल करके आ रहे हैं। चिन्यालीसौड़ क्षेत्र इसलिए अधिकांश मरीज डेंगू के आ रहे हैं।

चार विद्यालयों के बीच आयोजित की बैडमिंटन-योग प्रतियोगिता

ऋषिकेश/टीम एक्शन इंडिया
भरत मंदिर इंटर कालेज ऋषिकेश के महंत परशुराम सभागार में चार विद्यालयों, दयानंद माध्यमिक विद्यालय, आईडीपीएल इंटर कॉलेज , माध्यमिक विद्यालय पशुलोक और श्री भरत मंदिर इंटर कॉलेज के बीच हुई नगर क्षेत्रीय बैडमिंटन और योग प्रतियोगिता का उद्घाटन प्रधानाचार्य मेजर गोविंद सिंह रावत ने किया। मंगलवार को आयोजित योगा और बैडमिंटन दोनों प्रतियोगिताओं में श्री भरत मंदिर इंटर कॉलेज ओवरऑल चैम्पियन रहा। योगा में निर्णायक की भूमिका में कृष्ण देव मिश्रा और वीरेंद्र चौबे रहे। प्रधानाचार्य मेजर गोविंद सिंह रावत ने कहा कि योग हमारे मन मस्तिष्क और शरीर सभी को स्वस्थ रखता है। प्रत्येक व्यक्ति को सुबह अपने दिन की शुरूआत प्राणायाम और योग के द्वारा करनी चाहिए। जीवन में स्वस्थ रहने का योग से अच्छा और कोई मूल मंत्र नहीं है। विद्यालय के योगाचार्य जगदंबा प्रसाद थपलियाल ने कहा कि योग हमारे ऋषियों के द्वारा हमें दी गई वह संजीवन बूटी है जिसका उपयोग हम अपने जीवन को निरोगी रखने में कर रहे हैं। थोड़ा सा समय अपने लिए योग के लिए जरूर निकालना चाहिए क्योंकि योग आज एक योग विज्ञान का रूप ले चुका है वैज्ञानिक हैं जिनका प्रभाव शरीर पर वैज्ञानिक रूप से सकारात्मक प्रभाव पड़ता है। बैडमिंटन प्रतियोगिता जितेंद्र बिष्ट ,खेल अध्यापक विकास नेगी और खेल कोच प्रवीण रावत जी की रेख देख और दिशा निर्देशन में करवाई गई। इस अवसर पर वरिष्ठ प्रवक्ता श्री यमुना प्रसाद त्रिपाठी, श्री जितेंद्र बिष्ट, लेफ्टिनेंट लखविंदर सिंह, श्री सुनील दत्त थपलियाल,रंजन अंथवाल, विकास नेगी, प्रवीण रावत,विवेक शर्मा, दीपक भारद्वाज आदि उपस्थित रहे।

डेंगू पर काबू पाने के लिए होना पड़ेगा जागरूकः सेठी

हरिद्वार/टीम एक्शन इंडिया
वार्ड 11 व वार्ड 9 में महानगर व्यापार मंडल के जिलाध्यक्ष सुनील सेठी ने बढ़ते डेंगू वायरल पर चिंता जताते हुए डेंगू से रोकथाम को जनता को जागरूक करने का काम किया। उन्हें डेंगू से बचाव के लिए कुछ अहम बातों की जानकारी दी।
सेठी ने जनता को घरों में बाहर पानी न जमा करने, बच्चों से बड़ों तक को फूल स्लीप कपड़े पहने की सलाह दी। उन्होंने लोगों से अपील करते हुए कहा कि स्वयं अपनी जिम्मेदारी समझते हुए जनता को जागरूक होना पड़ेगा, तभी बढ़ते डेंगू, वायरल, संक्रामक बीमारियों पर काबू किया जा सकता है। अगर व्यक्ति अपने घर के आसपास कुछ विशेष बातों का ध्यान रहेगा तो निश्चित ही डेंगू मुक्त हरिद्वार होगा।
महानगर व्यापार मंडल के पदाधिकारियों ने लोगों के घरों के कूलर चेक किए।
रुके पानी को हटाने की उनसे अपील करते हुए घरों के आसपास साफ सफाई का ध्यान रखने की अपील की। महानगर अध्यक्ष जितेंद्र चोरसिया, महामंत्री नाथीराम सैनी ने नगर निगम, जिला प्रशासन,स्वास्थ्य विभाग से डेंगू की रोकथाम को कीटनाशक दवाइयों के छिड़काव फागिंग को और तेजी से कराने की मांग की।

कार की टक्कर से कॉलेज के छात्रा की मौत

हल्द्वानी/टीम एक्शन इंडिया
मुखानी थाना क्षेत्र में मंगलवार तड़के मॉर्निंग वॉक पर निकली एक युवती को कार ने टक्कर मार दी। गंभीर रूप से घायल युवती को एसटीएच लाया गया। वहां पर डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।
पुलिस के अनुसार मूल पिथौरागढ़ जिले के धारचूला निवासी आशा मंगलवार तड़के मार्निंग वॉक पर निकली थी। इसी बीच अनियंत्रित एक कार ने उसे टक्कर मार दी। युवती को 108 एंबुलेंस की मदद से एसटीएच में भर्ती कराया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

ऑपरेशन प्रहार के तहत हुई 219 अपराधियों के विरुद्ध कार्रवाई : डीजीपी

देहरादून/टीम एक्शन इंडिया
आपरेशन प्रहार के तहत एक माह में 01 माह में कुल 101 अभियोग पंजीकृत कर 219 अपराधियों के विरुद्ध वैधानिक कार्रवाई की गयी है। यह कार्रवाई पुलिस महानिदेशक के विशेष निर्देश पर की जा रही है। पुलिस महानिदेशक उत्तराखंड अशोक कुमार ने मंगलवार को बताया कि अपराधियों और माफिया पर प्रभावी अंकुश लगाये जाने को उत्तराखंड पुलिस धोखाधड़ी एवं गंभीर अपराधों के प्रकरणों में त्वरित एवं सख्त कार्रवाई के लिए 02 माह का विशेष अभियान (ऑपरेशन प्रहार) 01 अगस्त से शुरू किया गया था।
ऑपरेशन प्रहार के अन्तर्गत अब तक 01 माह में कुल 101 अभियोग पंजीकृत कर 219 अपराधियों के विरुद्ध वैधानिक कार्रवाई की गयी है।
पुलिस महानिदेशक ने बताया कि उत्तराखंड पुलिस ने 01 जनवरी 2021 से अपराधियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की है, जिसमें कुल 2,320 अभियोग पंजीकृत कर 4,222 अभियुक्तों पर वैधानिक कार्रवाई की गयी और आपराधिक कृत्यों में संलिप्त 2,292 अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया। भूमि एवं भवन के नाम पर धोखाधड़ी करने वाले 1471 भू-माफियाओं के विरुद्ध वैधानिक कार्रवाई कर शिकंजा कसा गया। साथ ही 74 भू-माफिया पर गैंगस्टर एक्ट लगाया गया। गंभीर अपराधों जैसे रंगदारी एवं उद्यापन के 183 मामलों में पुलिस कार्रवाई की गई, जिसमें से 30 अभियुक्तों के विरुद्ध गैंगस्टर एक्ट के तहत कार्रवाई की गई। सरकारी नौकरी लगाने के नाम पर ठगी के 314 मामले एवं किट्टी- चिटफंड-पोंजी स्कीम के नाम पर धोखाधड़ी करने वालों के विरुद्ध 302 मामलों में पुलिस कार्रवाई की गई। परीक्षा अधिनियम के तहत 139 नकल माफिया पर कार्रवाई कर 74 अभियुक्तों पर गैंगस्टर एक्ट लगाया गया।
पिछले 03 वर्षों में विशेष अभियानों के तहत कुल 312 अभियुक्तों पर गैंगस्टर एक्ट लगाया गया, जिसमें कुल 175 करोड़ रुपये से अधिक मूल्य की सम्पत्ति गैंगस्टर एक्ट के तहत अधिग्रहित की गयी।

लंगासू में शराब की दुकान बंद करने की महिलाओं ने की मांग

गोपेश्वर/टीम एक्शन इंडिया
बदरीनाथ हाइवे पर लंगासू के पास खुली शराब की दुकान के विरोध में एक माह से क्षेत्र की महिलाएं आंदोलनरत हैं।
महिलाओं और युवाओं की ओर से लगातार शराब की दुकान को यहां से हटाये जाने के मांग को लेकर धरना दिया जा रहा है, लेकिन कार्रवाई न होने पर सोमवार को महिलाओं को एक शिष्टमंडल जिलाधिकारी से मिलने पहुंचा और उन्होंने जिलाधिकारी से शराब की दुकान को अन्यत्र खोले जाने की मांग की है।
महिला मंगल दल अध्यक्ष आशा गोस्वामी का कहना है कि जहां पर शराब की दुकान खोली गई हैं वहां से महज 60 मीटर की दूरी पर मां चंडिका के वीर का मंदिर है।
मंदिर के पास शराब की दुकान खोल कर सरकार और प्रशासन ने उनकी आस्था पर चोट की है। उनका यह भी कहना है कि शराब की दुकान खुलने से क्षेत्र का माहौल भी बिगड़ रहा है। युवाओं को नशे की ओर ले जाने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि एक माह से स्थानीय लोग इस शराब की दुकान के विरोध में आंदोलन करते आ रहे है लेकिन प्रशासन की ओर से उनकी आवाज नहीं सुनी जा रही है जो कि सरासर अन्याय है। उन्होंने कहा कि यदि शीघ्र ही शराब की दुकान को हटाया नहीं जाता है तो महिलाओं को उग्र आंदोलन के लिए विवश होना पड़ेगा।
इस मौके पर जिला पंचायत सदस्य लक्ष्मण सिंह बिष्ट, देवेंद्र फरस्वाण, देवेश्वरी गोस्वामी, अंसी भट्ट, किरन नगवाल, ज्योति मलेठा, लता नगवाल, अनिता, राधा आदि मौजूद थे।

भाजपा में सभी जाति-धर्मों का सम्मानः डा. प्रदीप कुमार

हरिद्वार/टीम एक्शन इंडिया
वेद मंदिर में भारतीय जनता पार्टी ओबीसी मोर्चा की बैठक हुई। इसमें जिलाध्यक्ष डॉक्टर प्रदीप कुमार ने कहा कि हमारे जीवन में संगठन का महत्वपूर्ण योगदान है। ओबीसी की सभी जातियों को भारतीय जनता पार्टी में सम्मान देने का काम किया गया है। हम सभी समाजों को साथ लेकर के चलने का काम कर रहे हैं।
डा. प्रदीप ने कहा जो व्यक्ति समय के महत्व को नहीं समझता वह जीवन में कुछ भी करने में सक्षम नहीं होता, समय का महत्व हमारे लिए बहुत आवश्यक है। सभी कार्यकर्ताओं को लोकसभा चुनाव को लेकर अपनी कमर कस लेनी चाहिए। 2024 का चुनाव हमारे लिए बड़ा महत्वपूर्ण है। चुनाव को जिताने के लिए एक एक कार्यकर्ता को अपनी ताकत का प्रयोग संगठन के हित में करना चाहिए।
प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पिछले 10 वर्षों में अभूतपूर्व काम करने का काम किया है।
उन्होंने कहा कि हाल ही में दिल्ली में जी-20 का आयोजन हो रहा है, जिसकी अध्यक्षता करने का गौरव भारत को हासिल हुआ है, जिससे भारत की शान अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बढ़ी है। आगामी समय में प्रदेश अध्यक्ष के कार्यक्रमों को लेकर कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि सभी मंडल अध्यक्षों एवं कार्यकर्ताओं को एड़ी चोटी तक का जोर लगाकर कार्यक्रम को सफल बनाने का काम करना है।
इस अवसर पर जिला महामंत्री पवनदीप कुमार, मोहित वर्मा, जिला उपाध्यक्ष आदित्य गिरी, रवि कश्यप, जिला मंत्री विपिन चौधरी, रविन्द्र कुमार, जिला कोषाध्यक्ष नाथीराम सैनी, जिला मीडिया प्रभारी श्याम सिंह रोड, जिला सोशल मीडिया प्रभारी आशीष चौधरी, जिला सह सोशल मीडिया प्रभारी राकेश कुमार, सुधीर कुमार, जिला कार्यकारिणी सदस्य आजादवीर, बबिता योगाचार्य,आकाश दत्त आदि कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

आउटसोर्स कर्मियों को मातृत्व अवकाश दिए जाने को महिला अध्यक्ष ने बताया अच्छा कदम

देहरादून/टीम एक्शन इंडिया
विभागीय और आउटसोर्सिंग समस्त महिला कर्मचारियों को मातृत्व अवकाश देने पर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी का महिला आयोग की अध्यक्ष कुसुम कण्डवाल ने मंगलवार को आभार जताते हुए इसे अच्छा कदम बताया है।
मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के निर्देश पर राज्य सरकार के अधीन विभागों में विभागीय एवं आउटसोर्सिंग के माध्यम से दैनिक वेतन पर नियोजित महिलाओं को सेवा प्रदाता संस्था द्वारा प्रसूति अवकाश की सुविधा अनुमन्य की गई है।
महिला आयोग की अध्यक्ष कुसुम कण्डवाल ने बताया कि महिला आयोग ने इस संबंध में गत वर्ष 15 सितम्बर को उन्होंने प्रदेश के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से कैम्प कार्यालय में मिलकर सभी विभागीय व आउटसोर्सिंग महिला कर्मचारियों को भी मातृत्व अवकाश दिए जाने के लिए निवेदन किया था। इस सम्बन्ध में पत्र भी लिखा था, जिस पर मुख्यमंत्री ने कहा था कि मैं हर मां की उस पीड़ा को समझ सकता हूँ, जो उसे बच्चे के जन्म के समय होती है। इसके लिए उसे अपने कार्यालय से छुट्टी भी नही मिल पाती है। नवजात की देखभाल सही से नही हो पाती है। तब मुख्यमंत्री धामी ने कहा था कि वो जल्द सभी विभागीय एवं आउटसोर्सिंग कर्मचारी बहनों को गर्भवती होने की स्थिति में मातृत्व अवकाश दिलाने का काम करेंगे और आज वो खुशी का दिन आया है।

स्कूल ऑफ एमिनेंस की शुरुआत

21वीं सदी के कौशल और विशेषज्ञता वाले स्कूल

- आधुनिक फर्नीचर से सुसज्जित कक्षाएं
- व्यावहारिक प्रशिक्षण वाली अत्याधुनिक प्रयोगशालाएं
- पुस्तकों के सर्वोत्तम संग्रह वाले पुस्तकालय
- आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, एनीमेशन, वेब डिज़ाइन और विदेशी भाषा कौशल सहित व्यापक प्रशिक्षण
- उच्च गुणवत्ता वाली खेल सुविधाएं
- विशेष आवश्यकता वाले बच्चों के लिए आरामदायक वातावरण

मुख्य अतिथि

अरविंद केजरीवाल
मुख्यमंत्री, दिल्ली

13 सितंबर, 2023 | दोपहर 2:00 बजे
रंजीत एवेन्यू ग्राउंड, अमृतसर

भगवंत सिंह मान
मुख्यमंत्री, पंजाब

स्कूल शिक्षा विभाग, पंजाब

संपादकीय

मैक्रों की भारत और राहुल की फ्रांस यात्रा

जी-20 शिखर सम्मलेन में दुनिया के दिग्गज नेता सहभागी हुए। सभी ने एक स्वर में भारत के विचार प्रस्ताव और सत्कार को विलक्षण बताया। इन विदेशी मेहमानों को ऐसा उदार चिंतन पहले किसी अन्य सम्मेलन में देखने को नहीं मिला था। यह संयोग था कि इसी समय राहुल गांधी विदेश यात्रा पर थे। इसके पहले नरेन्द्र मोदी की अमेरिका यात्रा के पहले भी राहुल गांधी ने संयोग बनाया था। मोदी की यात्रा से ठीक पहले वह अमेरिका गए थे। उनकी प्रत्येक विदेश यात्रा में भारत की प्रतिष्ठा के अनुरूप कोई बयान नहीं होता। हर बार, हर जगह एक जैसे बयान। इस बार भी उन्होंने फ्रांस में वही दोहराया। कहा कि भारत में लोकतंत्र, संविधान पर हमला हो रहा है, आवाज को दबाया जाता है, मुसलमानों दलितों को निशाना बनाया जा रहा है, केरोसिन छिड़क दिया गया है...आदि। इतना ही नहीं राहुल ने मणिपुर पर आयोजित एक विशेष कार्यक्रम में भी विचार व्यक्त किए। उसका भी लब्बोलुआब वही जो वह लोकसभा में बोल चुके थे। लेकिन जब प्रधानमंत्री मोदी जवाब दे रहे थे तो राहुल अपने समर्थकों के साथ बहिर्गमन कर गए थे, क्योंकि मोदी उनको आईना दिखा रहे थे। वस्तुतः राहुल गांधी भारत और नरेन्द्र मोदी के विरोध का अन्तर समझने में असमर्थ हैं। इसलिए विदेशों में उनके बयान भारत की छवि के प्रतिकूल हो जाते हैं। एक तरफ राहुल अपने उसी अंदाज में बयान दे रहे थे, दूसरी तरह जी-20 सम्मेलन में भारत की जय-जयकार हो रही थी। सभी विदेशी नेता मोदी के मुरीद बन गए थे। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जब आपदा में अवसर का विचार दिया, तब आत्मनिर्भर भारत अभियान का शुभारंभ हो गया। भारत ने कोरोना की दो वैक्सीन सबसे पहले बना कर विकसित देशों को भी चौंका दिया। पहले विकसित देश वैक्सीन बनाते थे। दशको बाद वह भारत को नसीब होती थी। भारत का पिछला चन्द्रयान अभियान विफल हुआ था। नरेन्द्र मोदी इसरो के वैज्ञानिकों से मिलने पहुंचे। उन्होंने विफलता में अवसर का विचार दिया। वैज्ञानिकों ने कमियों को दूर किया। इसके बाद चन्द्रयान अभियान सफल हुआ। इसी प्रकार नरेन्द्र मोदी ने जी-20 की अध्यक्षता को अवसर में बदल दिया। भारतीय विचार और संस्कार की दुनिया में गूंज हुई। वसुधैव कुटुम्बकम जी-20 का ध्येय वाक्य बन गया। ब्राजील को अध्यक्षता की कमान सौंपी गई। नरेन्द्र मोदी ने घोषणा पत्र से लेकर जितने भी प्रस्ताव किए, उन सभी को सर्वसम्मति से स्वीकार किया गया। यह अध्यक्षता में अवसर का बेमिसाल प्रमाण है। राहुल गांधी ने पेरिस में छात्रों और शिक्षाविदों को संबोधित किया। राहुल ने कहा कि मैंने गीता पढ़ी है, कई उपनिषद पढ़े हैं, मैंने कई हिंदू धर्म से जुड़ी किताबें पढ़ी हैं, भाजपा जो करती है उसमें हिंदू धर्म जैसा कुछ भी नहीं है। विपक्षी दलों का गठबंधन भारत के लोकतांत्रिक ढांचों को बचाने के लिए लड़ रहा है। विपक्ष भारत की आत्मा के लिए लड़ने को लेकर प्रतिबद्ध है। देश मौजूदा उथल-पुथल से सकुशल बाहर आ जाएगा। निचली जातियों, अन्य पिछड़ी जातियों, आदिवासियों और अल्पसंख्यक समुदायों की अभिव्यक्ति और भागीदारी को रोका जा है। प्रधानमंत्री यह फैसला कर लें कि भारत में कोई अहंकारपूर्ण आचरण या कोई हिंसा नहीं करेगा, तो यह रुक जाएगा।

हिंदी सनातन संस्कृति एवं संस्कारों की सच्ची संवाहक

सुनील कुमार महला

> “अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर हिन्दी को एक नई पहचान मिली है। यूनेस्को की सात भाषाओं में हिंदी को भी मान्यता मिली है।आज संयुक्त राष्ट्र जैसी संस्थाओं में भी हिंदी की गूंज सुनाई देने लगी है। हिंदी के महत्त्व को गुरुदेव रवीन्द्र नाथ टैगोर ने बड़े सुंदर रूप में प्रस्तुत किया था। उन्होंने कहा था, भारतीय भाषाएं नदियां हैं और हिंदी महानदी। ग्रियर्सन हिंदी के बारे में अपने विचार रखते हुए यह कहते हैं कि 'हिंदी संस्कृत की बेटियों में सबसे अच्छी और शिरोमणि है।' महात्मा गांधी जी ने एक बार यह बात कही थी कि 'हिंदुस्तान के लिए देवनागरी लिपि का ही व्यवहार होना चाहिए, रोमन लिपि का व्यवहार यहाँ हो ही नहीं सकता।' उनका यह मानना था कि राष्ट्रीय व्यवहार में हिन्दी को काम में लाना देश की शीघ्र उन्नति के लिए आवश्यक है ”

प्रत्येक वर्ष 14 सितंबर को राष्ट्रीय हिंदी दिवस मनाया जाता है। दरअसल भारत में हिंदी को आधिकारिक दर्जा मिलने की खुशी में यह दिवस मनाया जाता है। जानकारी देना चाहूंगा कि हिन्दी को भारत की संविधान सभा ने 14 सितम्बर, 1949 को राजभाषा के रूप में अंगीकार किया था, यही कारण है कि भारतवर्ष में प्रत्येक वर्ष 14 सितम्बर को हिन्दी दिवस के रूप में मनाया जाता है। हिंदी, भारत की राजभाषा यानी कि आफिशियल लेंग्वेज है और हमारे देश की विविधता का प्रतीक है। यदि हम यहां आंकड़ों की बात करें तो आज भारत की करीब 57 फीसदी से ज्यादा आबादी हिन्दी बोलती और समझती है। आजादी के आंदोलन के दौरान अंग्रेजों के खिलाफ पूरे देश को एकजुट करने में हिन्दी की भूमिका काफी महत्वपूर्ण व अहम् रही है और यह तथ्य किसी से छिपा नहीं है।यह भाषा हमारी समृद्ध सांस्कृतिक धरोहर का भी अनूठा व नायाब प्रतीक है।हिंदी दिवस के मौके पर हमें अपनी मातृभाषा के प्रति समर्पित रहना चाहिए। हिंदी हमारे संविधान का अधिकार है और यह हमें राष्ट्रीय एकता की ओर बढ़ाती है।

हिंदी को सीखना और उसे सुरक्षित रखना हमारी जिम्मेदारी और हमारा परम कर्तव्य भी है, ताकि हमारी समृद्ध भाषा धरोहर को बचाया और इसे देश में अधिकाधिक बढ़ावा दिया जा सके, प्रचलित और प्रसारित किया जा सके। जानकारी देना चाहूंगा कि इस बार हिंदी एवं तृतीय अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन संयुक्त रूप से पुणे, महाराष्ट्र में 14 एवं 15 सितंबर 2023 को आयोजित किया जा रहा है। जानकारी देना चाहूंगा कि माननीय गृह एवं सहकारिता मंत्री जी की अध्यक्षता में राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय द्वारा हिंदी दिवस 2022 एवं द्वितीय अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन का भव्य आयोजन सूरत, गुजरात में किया गया था। इसी प्रकार से प्रथम अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन का आयोजन वाराणसी में किया गया था। संविधान के अनुच्छेद 343(1) के अनुसार संघ की राजभाषा हिंदी और इसकी लिपि देवनागरी है।संघ के शासकीय प्रयोजनों के लिए प्रयोग होने वाले अंकों का रूप भारतीय अंकों का अंतराष्ट्रीय रूप है। पाठकों को जानकारी देना चाहूंगा कि जनतांत्रिक आधार पर

हिंदी विश्व भाषा है क्योंकि उसके बोलने-समझने वालों की संख्या संसार में तीसरी है। पाठकों को जानकारी देना चाहूंगा कि विश्वभर की भाषाओं का इतिहास रखने वाली संस्था ह्यएथ्नोलॉगह्ल के द्वारा हिंदी को दुनियाभर में सर्वाधिक बोली जाने वाली तीसरी भाषा बताया गया है।यह बात हम सभी को गौरवान्वित करती है कि विश्व के 132 देशों में जा बसे भारतीय मूल के लगभग 2 करोड़ लोग हिंदी माध्यम से ही अपना कार्य निष्पादित करते हैं। एशियाई संस्कृति में अपनी विशिष्ट भूमिका के कारण हिंदी एशियाई भाषाओं से अधिक एशिया की प्रतिनिधि भाषा है। आज हिंदी शनैःशनैः सर्वव्यापी होती चली जा रही है, हिंदी में प्रचुर साहित्य की उपलब्धता है, यह सरल,सहज और वैज्ञानिक शब्दावली लिए बहुत ही दमदार भाषा है। यहां तक कि बनावट की दृष्टि से सरलता और वैज्ञानिकता और सब प्रकार के भावों को प्रकट करने की सामर्थ्य आदि सभी गुण हिंदी में समाहित हैं।हम में से बहुत से लोगों का यह मानना है कि हिंदी हमारे देश की राष्ट्रभाषा है, लेकिन यह सच नहीं है। हिंदी हमारी मातृभाषा है, देश की प्रथम राजभाषा है और यह राष्ट्रभाषा के रूप में कहीं भी अब तक पंजीकृत नहीं है। वास्तव में सच तो यह है कि भारत की यह आर्टिकल लिखने तक कोई भी आधिकारिक राष्ट्रीय भाषा नहीं है। बावजूद इसके हिंदी इस देश की आत्मा है, प्राण है।एक भाषा के रूप में हिंदी न सिर्फ भारत की अनूठी पहचान है बल्कि यह हमारे जीवन मूल्यों, हमारी सनातन संस्कृति एवं संस्कारों की सच्ची संवाहक, संप्रेषक और परिचायक भी है। वास्तव में हिंदी हमारे पारम्परिक ज्ञान, प्राचीन सभ्यता और आधुनिक प्रगति के बीच एक सेतु भी है। हिंदी भारत संघ की राजभाषा होने के साथ ही ग्यारह राज्यों और तीन संघ शासित क्षेत्रों की भी प्रमुख राजभाषा है। संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल अन्य इक्कीस भाषाओं के साथ हिंदी का एक विशेष स्थान है।यह विडंबना ही है कि आज हिंदी देश की राजभाषा होने के बावजूद हर जगह अंग्रेजी का वर्चस्व कायम है। हिंदी जानते हुए भी लोग हिन्दी में बोलने, पढ़ने या काम करने में हिचकने लगे हैं। कहना गलत नहीं होगा कि हिंदी अनुवाद की नहीं बल्कि संवाद की भाषा है। किसी भी भाषा की तरह हिंदी भी मौलिक सोच की भाषा है। विश्वभर में करोड़ों की संख्या में भारतीय समुदाय के लोग एक संपर्क भाषा के रूप में हिंदी का इस्तेमाल कर रहे हैं। इससे अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर हिन्दी को एक नई पहचान मिली है। यूनेस्को की सात भाषाओं में हिंदी को भी मान्यता मिली है।आज संयुक्त राष्ट्र जैसी संस्थाओं में भी हिंदी की गूंज सुनाई देने लगी है। हिंदी के महत्त्व को गुरुदेव रवीन्द्र नाथ टैगोर ने बड़े सुंदर रूप में प्रस्तुत किया था। उन्होंने कहा था, भारतीय भाषाएं नदियां हैं और हिंदी महानदी। ग्रियर्सन हिंदी के बारे में अपने विचार रखते हुए यह कहते हैं कि 'हिंदी संस्कृत की बेटियों में सबसे अच्छी और शिरोमणि है।' महात्मा गांधी जी ने एक बार यह बात कही थी कि 'हिंदुस्तान के लिए देवनागरी लिपि का ही व्यवहार होना चाहिए, रोमन लिपि का व्यवहार यहाँ हो ही नहीं सकता।' उनका यह मानना था कि राष्ट्रीय व्यवहार में हिन्दी को काम में लाना देश की शीघ्र उन्नति के लिए आवश्यक है। (जस्टिस) कृष्णस्वामी अय्यर ने हिंदी के बारे में एक बार यह कहा था कि 'समस्त भारतीय भाषाओं के लिए यदि कोई एक लिपि आवश्यक हो तो वह देवनागरी ही हो सकती है।'वाल्टर चेनिंग कहते हैं कि 'विदेशी भाषा का किसी स्वतंत्र राष्ट्र के राजकाज और शिक्षा की भाषा होना सांस्कृतिक दासता है।' बहरहाल, कहना गलत नहीं होगा कि हिंदी आज सिर्फ साहित्य की भाषा नहीं है, बल्कि बाजार की भी भाषा है। उपभोक्तावादी संस्कृति ने विज्ञापनों को जन्म दिया, जिससे न केवल हिंदी का अनुप्रयोग बढ़ा, बल्कि युवाओं को रोजगार के नए अवसर भी मिले हैं। आज हिंदी सोशल नेटवर्किंग साइटस की भाषा है, मेडिकल, इंजीनियरिंग क्षेत्रों में भी हिंदी के प्रयोग को लगातार बढ़ावा मिल रहा है। अगर हिंदी बोलने वाले लोगों की संख्या की बात की जाए तो विश्वभर में 75 करोड़ से भी ज्यादा लोग हिन्दी बोलते हैं। इंटरनेट पर भी हिंदी का चलन दिनों-दिन तेजी से बढ़ रहा है। आज हिंदी समाचार पत्रों की भाषा है, पत्र पत्रिकाओं की भाषा है और पाठकों को यह जानकारी प्राप्त करके हैरानी होगी कि कुछ वर्ष पूर्व डिजिटल माध्यम में हिन्दी समाचार पढ़ने वालों की संख्या करीब साढ़े पांच करोड़ थी, जो अब बढ़कर 15 करोड़ से भी ज्यादा हो जाने का अनुमान है। फिल्म जगत में तो हिंदी कायम है ही। हिंदी के बढ़ते वर्चस्व को देखते हुए विदेशी लोगों को भी आज हिंदी सीखनी पड़ी रही है। उधोगों, वाणिज्यिक जगत, कारपोरेट जगत, शिक्षा आज हिंदी का उपयोग कहां नहीं हो रहा है कोई भी क्षेत्र आज हिंदी से अछूता नहीं रह गया है। सच तो यह है कि भूमंडलीकरण अथवा वैश्वीकरण के दौर में हिंदी वैश्विक परिदृश्य में अपना महत्त्वपूर्ण स्थान बना रही है। उपभोक्तावादी संस्कृति ने हिंदी भाषा के प्रचार-प्रसार में काफी योगदान दिया है। बाजार के दृष्टिकोण से बहुराष्ट्रीय कंपनियाँ विज्ञापनों और बाजार की भाषा को समझने के लिए लगातार हिंदी की ओर बढ़ रही हैं।

कविता

पंखुड़ियां सा तेरे सामनें बिखर
जायेंगे !
गजरे सा तेरे गेसुओं में संवर जाएंगे।

जरा अपनी सांसों को रखिए महफूज,
खुशबू सा तेरी सांसो मे ठहर जायेंगे!

महसूस करने की कोशिश तो कीजिए!
यादों सा तेरे दिल मे उतर जायेंगे!!

जेहन में रहकर भी, क्यों इतनी दूरियां,
नजदीक आइये,थोड़ा हम भी निखर
जाएंगे।

जरा नजरें इनायत तो करिए हुजूर,
दूर होकर भी बेहद नजदीक नजर
आएंगे!!

इंतजार की अब इन्तहाँ हो गई शायद,
थोड़ा हम भी तेरी जुल्फों में ठहर
जाएंगे।

संजीव ठाकुर

अब अदालतें भी चिन्तित हैं माता-पिता की उपेक्षाओं पर

ललित गर्ग

नये बन रहे समाज एवं पारिवारिक संरचना में माता-पिता का जीवन एक त्रासदी एवं समस्याओं का पहाड़ बनता जा रहा है, समाज में बच्चों के द्वारा बुजुर्ग माता-पिता की उपेक्षाओं एवं उनके प्रति बरती जा रही उदासीनता इतनी अधिक बढ़ गयी है कि अदालतों को दखल देना पड़ रहा है। माता-पिता भोजन-पानी, दवाई, जरूरत की चीजों से महरूम ही नहीं हो रहे हैं बल्कि उनके सम्मान की स्थितियां भी नगण्य होती जा रही है। वृद्ध माता-पिता की यह दुर्दशा एक विकराल समस्या के रूप में उभर रही है। सुविधावाद, भौतिकता एवं धन के बढ़ते वर्चस्व के बीच माता-पिता अपने ही बच्चों की प्रताड़ना के शिकार है। ऐसी बढ़ती समस्याओं पर नियंत्रण के लिये अदालतों को न सिर्फ दखल देना पड़ रहा है बल्कि बच्चों को पाबंद करना पड़ रहा है कि वे अपने बुजुर्ग माता-पिता की देखभाल करें और उनको सम्मान दें। मद्रास उच्च न्यायालय का ऐसा ही एक फैसला आज के समाज में खून के रिश्तों पर सवाल खड़ा करने वाला है। न्यायालय ने अपने फैसले में साफ किया है कि बुजुर्ग अभिभावकों की इच्छा पूरी करना बच्चों का दायित्व है। न्यायालय का यह फैसला सिर्फ किसी बच्चे और अभिभावकों के बीच संपत्ति विवाद तक सीमित नहीं है। इसे व्यापक अर्थों में देखने और समझने की जरूरत है। संवेदनशील मानसिकता के निर्माण से समाज का माहौल बदल सकता है। अदालत चाहती है कि वृद्ध माता-पिता को उदासीनता एवं उपेक्षा से मुक्ति देकर उन्हें सुरक्षा कवच मानने की सोच को विकसित किया जाये ताकि एक आदर्श परिवार की संरचना को जीवंत किया जा सके एवं वृद्धों के स्वास्थ्य, निष्कंटक एवं कुंठारहित जीवन को प्रबंधित किया जा सकता है। वृद्धों को बंधन नहीं, आत्म-गौरव के रूप में स्वीकार करने की अपेक्षा को अदालत ने उजागर कर समाज को जागृत करने का सराहनीय काम किया है। ऐसा युग जहां रिश्तों की जगह धन हावी होता जा रहा है। इसी कारण वृद्धों को लेकर गंभीर समस्याएं आज पैदा हुई हैं, ये समस्याएं अचानक ही नहीं हुई, बल्कि उपभोक्तावादी संस्कृति तथा महानगरीय अधुनातन बोध के तहत बदलते सामाजिक मूल्यों, नई पीढ़ी की सोच में परिवर्तन आने, महंगाई के बढ़ने और व्यक्ति के अपने बच्चों और पत्नी तक सीमित हो जाने की प्रवृत्ति के कारण खड़ी हुई हैं। चिन्तन का महत्वपूर्ण पक्ष है कि वृद्धों की उपेक्षा के इस गलत प्रवाह को रोके, इसी बात पर अदालत ने अपने फैसले में बल दिया है। क्योंकि सोच के गलत प्रवाह ने न केवल वृद्ध माता-पिता के जीवन को दुश्वार कर दिया है बल्कि आदमी-आदमी के बीच के भावात्मक फासलों को भी बढ़ा दिया है। सवाल यह है कि जो माता-पिता कष्ट सहकर भी अपने बच्चों को अच्छी जिंदगी देने की भरपूर कोशिश करते हैं, उन्हीं मां-बाप के बुजुर्ग होने पर बच्चे उनकी देखभाल से जी क्यों चुराने लगते हैं?

विचार

हिंदी की खाइए और अंग्रेजी की गाइए

प्रभुनाथ शुक्ल

गजोधर भईया हिंदी की उन्नति को लेकर बेहद परेशान रहते हैं। बेचारे हिंदी के विकास में खुद का विकास खोजते हैं। सितंबर का पुण्य मास लगते ही उनका मुरझाया चहेरा खिल उठता है। उनके भीतर सुस्त पड़ा संवृद्ध हिंदी का सपना कुलाचें मारने लगता है। क्योंकि पवित्र मास का दूसरा पखवाड़ा हिंदी दिवस के रूप में मनाया जाता है। इसका इंतजार अनेका नेक हिंदी प्रेमियों को रहता है। जिस तरह पितृपक्ष में पितरों का तर्पण पखवाड़ा होता ठीक उसी तरह अपनी बेचारी हिंदी को याद किया जाता है। 14 सितंबर से हिंदी का श्राद्ध पखवारा मनाया जाता है। इस दौरान हिंदी विकास को लेकर बड़ा शोर रहता है। सरकारी कार्यालय और बैंकों में हिंदी को संवृद्ध करने के लिए बड़े-बड़े पोस्टर लगते हैं। सभी को हिंदी में कार्य करने की नसीहत दी जाती है। इस दौरान अनेक हिंदी सेवियों को सम्मानित किया जाता है। यह ऐसे लोग रहते हैं जिनका प्रेम सिर्फ मंच और सोशलमिडिया तक हिंदी प्रेम दीखता है। क्योंकि सितंबर माह आने पूर्व हिंदी सेवी की तैयारी में वे जुट जाते हैं। तमगा लेने बाद फिर अंग्रेजी मैम के के लिए काम करते हैं। अगर आप हिंदी सेवी हैं तो आपको मालूम होगा कि पितृपक्ष का समय भी हिंदी श्राद्ध पखवाड़े के ठीक बाद आता है।

कितना अच्छा संयोग है। बेचारी हिंदी को 365 दिन कोई नहीं पूछता, लेकिन 15 दिन बेचारी सरकार से लेकर साहित्यकार की जुबान पर होती है। लेकिन पखवारा बीतने के बाद कोई घास नहीं डालता। ठीक वैसे ही जैसे चुनाव जीतने के बाद सरकार और नेता जनता को भूल जाते हैं। हमारे गाजोधर भईया हिंदी के सबसे बड़े सेवक माने जाते हैं। मोहल्ले में उन्हें हिंदीसेवी के रूप में जाना जाता है। हिंदी पखवाड़े भर उन्हें फुर्सत नहीं मिलती है। हर जगह उन्हें सम्मानित किया जाता है। साल, नारियल, प्रशस्ति पत्र एवं अंगवस्त्र से उनका घर भर जाता है। लेकिन हिंदी पखवारा बीतने के बाद उन्हें कोई घास नहीं डालता। गजोधर भईया जैसे हिंदी सेवी की दुर्गति उस समय और बढ़ जाती है जब रुकी हुई वृद्धा पेंशन को चालू करवाने के लिए विभाग के उसी बाबू की जेब गर्म करते हैं जिसने हिंदी दिवस पर उन्हें अंगवस्त्र और श्रीफल भेंट किया था। उस समय उनकी हिंदीसेवा का त्याग अखाड़े में पटखनी खाए पहलवान की तरह होता है। लेकिन अब करें क्या दुनिया के दस्तूर को भला वे कैसे मिटा सकते हैं। वैसे उन्हें अंग्रेजी बिल्कुल नहीं पसंद है। यह बात अलग है की हिंदी की खाल ओढ़कर वे अंग्रेजी से ईलू-ईलू करते हैं। उन्हें अंग्रेजी नाम से भी बड़ी नफरत है। लेकिन अंग्रेजी नहीं बोलते। हाँ अपने कुत्ते का नाम डैनियल, बिल्ली का नाम मर्सी, तोते का नाम टॉम ही रखते हैं। हिंदी नहीं अंग्रेजी गाने पर वे डांस करते हैं। बेटे का नाम इंग्लिश मीडियम स्कूल में लिखवाते हैं। चुनाव में बढ़िया-बढ़िया नारा वे अंग्रेजी में ही गढ़ते हैं। वैसे भी गाजोधर भईया हिंदी दिवस अंग्रेजी में मानते हैं। लोगों को हिंदी दिवस की बधाई अंग्रेजी में लिख कर देते हैं। रात्रि को भोजन नहीं डिनर करते हैं। दोपहर को लंच और सुबह गुड़ मॉर्निंग करते है। सुबह टहलने नहीं मॉर्निंग वॉक पर जाते हैं। हिंदी के लिए जब मोबाइल कि की-पैड दबाते हैं तो अंग्रेजी में ही उन्हें हिंदी के लिए एक नहीं वन दबाना पड़ता है। मोबाइल पर बातचीत शुरू करने के पूर्व वे हैलो करते हैं। उनका पोता नमस्ते नहीं गुड़ मॉर्निंग करता है। रात्रि में गुड़ नाईट और बाय-बाय बोलता है।

जन्मदिवस की शुभकामना का संदेश वह हैप्पी बर्डे टू यू बोल कर देते हैं। फेसबुक पर वह नाइस, रिप और वेलकम बोलते हैं। पोते-पोती को पढ़ाते हैं तो ए फॉर एप्पल और बी फॉर बॉल बोलते हैं। एक -दो-तीन-चार, हिंदी बोलो बार-बार पढ़ाने के बजाय वे वन टू का फोर, फोर टू का वन, माई नेम इज गाजोधर पढ़ाते हैं। फिर तुम्हीं बताओ गजोधर भईया ! खाओगे हिंदी का और गाओगे अंग्रेजी का। सिर्फ शाल ओढ़ कर हिंदी को बचाओगे। गजोधर भईया आप जैसे लोग हिंदी की लुटिया नहीं डूबाएंगे तो क्या करेंगे।

एक्शन इंडिया दैनिक

भगवान शंकर जी के ग्यारहवें रुद्रावतार हनुमान जी (मेंहदीपुर, श्री बाला जी) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार-पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में श्रद्धापूर्वक समर्पित है।

आरएनआई: UTTHIN / 2009 / 31653

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक, राकेश भारद्वाज द्वारा मारुतिनंदन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स, ए-15, बड़ा बाग, जीटी करनाल रोड इन्डस्ट्रीयल एरिया, नई दिल्ली-33 से मुद्रित एवं 7/1 बल्लूपुर रोड, डॉ. टी पटनायक के सामने, कृष्णा नगर चौक के पास देहरादून, उत्तराखंड से प्रकाशित। एक्शन इंडिया में प्रकाशित लेखों में व्यक्त किये गये विचार एवं दृष्टिकोण संबंधित लेखक के हैं। संपादक या प्रकाशक का उनसे सहमत होना आवश्यक नहीं है। किसी भी विवाद का न्यायिक क्षेत्र देहरादून ही होगा।

सम्पादक: रवि भारद्वाज (+919999889104)
actionindiaddn@gmail.com

वैधानिक सूचना

पाठकों को सलाह है कि एक्शन इंडिया, समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के आधार पर कोई निर्णय लेने से पहले विज्ञापन में प्रकाशित उक्त उत्पाद या सेवा के बारे में आवश्यक जांच-पड़ताल कर लें। समाचार पत्र प्रबंधक किसी भी विज्ञापन में गुणवत्ता, सेवा आदि के विवरण के बारे में विज्ञापनदाता द्वारा किए गए दावे या उल्लेख की पुष्टि या समर्थन नहीं करता है। अत: समाचार पत्र उक्त विज्ञापनों के बारे में किसी प्रकार से उत्तरदायी नहीं होगा।

चिंतन

जी-20 सम्मेलन से विश्व बिरादरी में बढ़ी भारत की प्रतिष्ठा

राजेश माहेश्वरी

इसमें कोई दो राय नहीं है कि तमाम तरह की आशंकाओं को दरकिनार करते हुए जी-20 सम्मेलन भव्यता और गर्वितभाव से संपन्न हुआ। इस पूरे आयोजन का श्रेय मोदी सरकार और देष की जनता को जाता है। टीम मोदी ने जिस बेहतर तरीके से इस बड़े आयोजन को पूर्णता तक पहुंचाया उसकी जितनी तारीफ की जाए उतनी कम है। सफल सम्मेलन के बाद विश्व बिरादरी में भारत की प्रबंधन क्षमता के साथ ही कूटनीतिक कौशल की जय-जयकार हो रही है। पिछले साल जी-20 की मेजबानी मिलने के बाद से ही भारत सरकार इसकी तैयारियों में जुट गई थी। एक रिपोर्ट के मुताबिक इसकी तैयारी को लेकर देश के 50 से अधिक शहरों में करीब 200 बैठकों का आयोजन किया गया। जी-20 विश्व के 20 सबसे ताकतवर देशों का एक समूह है, जो अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आर्थिक, कूटनीतिक और पर्यावरण के मुद्दों पर विचार-विमर्श करता है। साथ ही इसका हल निकालने की कोशिश करता है। वास्तव में इस आयोजन की तैयारी इस तरीके से की गई थी कि विदेशी मेहमानों को भारत की विरासत और सांस्कृतिक खूबसूरती का सहज अनुभव हो सके। भारत की आंचलिक विविधता के साथ ही सांस्कृतिक विरासत को जिस प्रभावशाली ढंग से विदेशी मेहमानों के समक्ष पेश किया गया उससे इस सम्मेलन की खूबसूरती और बढ़ गई। राजघाट पर महात्मा गांधी की समाधि के समक्ष 20 राष्ट्रप्रमुखों का एक साथ श्रद्धावनत खड़े होने का दृश्य भारतीय चिंतन के प्रति वैश्विक स्वीकृति का प्रमाण कहा जा सकता है।

विकसित और विकासशील देशों के प्रतिनिधियों के अलावा अनेक अंतर्राष्ट्रीय वित्तीय संगठनों के जो प्रमुख इस सम्मेलन के दौरान दिल्ली में उपस्थित रहे वे सब भी बदले हुए भारत को देखकर अभिभूत हो उठे। भारत ने जी-20 शिखर सम्मेलन को सफल बनाने के लिए अपने कूटनीतिक कौशल का जैसा परिचय दिया है, वैसा इसके पहले शायद ही इस समूह की अध्यक्षता करने वाले किसी देश ने दिया हो। जी-20 समिट भारत के लिहाज से काफी कामयाबी वाला रहा।

ओम् स्वाहा...

डॉ. सुरेश कुमार

चुनावी वादे भगवीता के सार की तरह होते हैं। जो कल किसी का था, आज वह किसी का है और परसों किसी और का होगा। इस सार से सत्ता और विपक्ष दोनों डरते हैं। साथ ही लाभ भी उठाते हैं। पार्टियाँ प्रायः चुनाव के समय डरी-डरी सी रहती हैं। बाकी दिनों में जनता को डराती रहती हैं। पार्टियों को बड़े खतरे की आशंका हुई। कुछ शुभचिंतकों ने सोचा कि इससे पहले पानी सिर के पार हो जाए आलाकमान को सचेत करने में अपनी भलाई है। भली-भांति जानते हैं कि सरकारी व्यवस्था में सरकार हमेशा चाकू और शुभचिंतक तरकारी की तरह होते हैं। हर हाल में कटना तो तरकारी को ही है। बात जब आलाकमान तक पहुंची तो मुखिया पहले थोड़ा परेशान हुए। फिर सोचा मुखिया का काम तो परेशान करना होता है न कि परेशान होना। वैसे भी बैसाखी और परेशानी से चलने वाला कोई भी मुखिया मुंह के बल धड़ाम से गिरता है। अफरा-तफरी में आपातकालीन बैठक बुलाई गई। आपातकालीन बैठक में हमेशा आपातकाल के नाम पर आफत काल का माहौल तैयार होता है। यही वह मौका होता है जब आलाकमान के सभी लोग एक दूसरे से मिल बैठकर तोड़ने जोड़ने और अपनी भड़ास निकालने का पूरा लाभ उठाते हैं। इसीलिए आलाकमान बैठकों से अधिक उठापटक में विश्वास रखता है। जैसे तैसे आलाकमान की बैठक आरंभ हुई। मुखिया ने अपनी गिद्दी नजर सब पर गड़ाई। उन्हें डराने लगा। कहा- हमारे पीठ पीछे पार्टी की थाली में छेद करने की साजिश रची जा रही है। हमारा विरोधी कुछ बड़ा करने की फिराक में है। आज के समय में विरोधी का जीवित रहना हमारी नपुंसकता का परिचायक है। मुखिया की बात सुन सभी गहरे चिंतन में डूब गए। या यूँ कहिए सोचने के नाम पर कुछ सो गए तो कुछ खो गए। वैसे भी भीड़ में कभी सांप नहीं मरता। मुखिया जान गए थे कि जिन्होंने जीवन भर लूटपाट, डकैती और डकारने के लिए हाथ पैर और पेट का इस्तेमाल किया हो उनसे बुद्धि वाला कार्य करवाना सबसे बड़ी बेवकूफी है। आखिरकार मुखिया ने हल ढूंढ निकाला। निर्णय किया कि कस्बे के सभी भेड़ों को ठंडी से बचने के लिए ऊनी स्वेटर बांटे जाएंगे। यह सुनकर विरोधी सुन्न और भेड़ प्रसन्न हो गए।

संस्थापक : श्रद्धेय राकेश भारद्वाज | समूह संपादक : रवि भारद्वाज | देहरादून, बुधवार, 13 सितंबर 2023 ₹ 1 | www.actionindialive.com | facebook.com/actionindialive

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने अरुणाचल प्रदेश में बालीपारा-चार द्वार-तवांग (बीसीटी) रोड पर 500 मीटर लंबी नेचिफू सुरंग का उद्घाटन करते हुए।

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
एक्शन इंडिया
वर्षः 14 अंकः 244 पृष्ठः 08
RNI : UTTHIN/2009/31653
actionindiaddn@gmail.com | उत्तराखण्ड संस्करण | दिल्ली - हरियाणा - हिमाचल प्रदेश - उत्तराखण्ड
RKB GROUP Rakesh Bhardwaj Group

सीमा पर बुनियादी ढांचे हो रहे मजबूत: राजनाथ सिंह

रक्षा मंत्री ने राष्ट्र को समर्पित की अरुणाचल प्रदेश में बनी 500 मीटर लंबी 'नेचिफू सुरंग'

देश के नाम

आठ सीमावर्ती राज्यों और 3 केंद्र शासित प्रदेशों की 90 बुनियादी परियोजनाओं का उद्घाटन

टीम एक्शन इंडिया/नई दिल्ली
रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने मंगलवार को अरुणाचल प्रदेश में बालीपारा-चार द्वार-तवांग (बीसीटी) रोड पर 500 मीटर लंबी नेचिफू सुरंग का उद्घाटन किया। इसके साथ ही उन्होंने जम्मू के देवक ब्रिज से सीमा सड़क संगठन (बीआरओ) की 90 बुनियादी ढांचा परियोजनाएं राष्ट्र को समर्पित कीं। यह सभी परियोजनाएं देश के 8 सीमावर्ती राज्यों और 3 केंद्रशासित प्रदेशों में हैं। इसके साथ ही उन्होंने दुनिया का सबसे ऊंचा लड़ाकू हवाई क्षेत्र का निर्माण करने के लिए लद्दाख के न्योमा एयरबेस को अपग्रेड करने का उद्घाटन किया। रक्षा मंत्री ने जम्मू-कश्मीर के सांबा जिले में आयोजित समारोह में इन परियोजनाओं का वर्चुअली उद्घाटन किया। इसके बाद बीआरओ की उपलब्धियां गिनाते हुए उन्होंने कहा कि आपकी असली उपलब्धि यह है कि आपने अपने प्रयास से मुश्किल को आसान बना दिया। देश के नागरिकों ने सीमा क्षेत्र के विकास को एक उपलब्धि के रूप में लेना बंद कर दिया है, क्योंकि अब यह सामान्य हो गया है। एक महत्वाकांक्षी परियोजना शुरू करना और उसे समय पर पूरा करना नए भारत की अब सामान्य बात है। जैसे एक न्यूरोसर्जन का काम कठिन होता है, लेकिन जैसे-जैसे वह विशेषज्ञता हासिल करता है, उसकी दक्षता बढ़ती जाती है। जैसे इसरो ने चंद्रमा के शिव शक्ति प्वाइंट पर सफल सॉफ्ट लैंडिंग की। एक समय था, जब इसरो के लिए उपग्रह लॉन्च करना मुश्किल था, लेकिन अब इसरो ने इसमें इतनी विशेषज्ञता हासिल कर ली है कि अब वह सिर्फ चंद्रमा और मंगल ग्रह ही नहीं, बल्कि सूर्य तक भी पहुंच गया है। इसी तरह दुर्गम क्षेत्रों में बुनियादी ढांचे का विकास बीआरओ के लिए एक आसान काम बन गया है। बीआरओ ने अरुणाचल प्रदेश में बनाई गई नेचिफू सुरंग के उत्खनन कार्य के लिए आखिरी ब्रेक थ्रू ब्लास्ट पिछले साल मई में किया था। यह सुरंग दोतरफा यातायात में आधुनिक प्रकाश व्यवस्था और सुरक्षा सुविधाओं से लैस है। इस परियोजना की आधारशिला रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने ही 12 अक्टूबर 2020 को रखी थी।

सुरंग में अत्याधुनिक इलेक्ट्रो-मैकेनिकल सिस्टम लगा

नेचिफू दर्रे के आसपास का मौसम अत्यधिक धुंधला रहता है, जिसकी वजह से कई दशकों से सामान्य यातायात और सैन्य काफिले को दिक्कत होती रहती है। इसी को ध्यान में रखते हुए इस सुरंग के निर्माण की योजना बनाई गई थी। इसलिए सुरंग में अत्याधुनिक इलेक्ट्रो-मैकेनिकल सिस्टम लगाया गया है, जिसमें अग्निशामक उपकरण, ऑटो रोशनी प्रणाली और डेटा अधिग्रहण (स्काडा) नियंत्रित निगरानी प्रणाली शामिल हैं। सुरक्षित पैदल चलने वालों की आवाजाही के लिए सुरंग के दोनों तरफ फुटपाथ बनाये गए हैं, जिसके नीचे पावर केबल और ऑप्टिकल फाइबर केबल बिछाई गई हैं। नेचिफू सुरंग परियोजना के साथ उसी सड़क पर अरुणाचल प्रदेश के पश्चिम कामेंग जिले में ट्विन ट्यूब की एक और रणनीतिक सुरंग सेला टनल प्रोजेक्ट अगले 20 दिनों में पूरा होने की उम्मीद है।
यह 13 हजार फीट और उससे अधिक ऊंचाई पर दुनिया की सबसे लंबी द्वि-लेन सुरंग होगी।

'डीजल वाहन पर 10 फीसदी अतिरिक्त कर लगाने का प्रस्ताव नहीं'

टीम एक्शन इंडिया/नई दिल्ली
केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि डीजल वाहनों और जेनसेट पर अतिरिक्त जीएसटी लगाने का कोई प्रस्ताव नहीं है। इससे पहले मीडिया के एक वर्ग में इस आशय की खबर आई थी कि गडकरी ने वायु प्रदूषण कम करने के लिए डीजल वाहनों पर अतिरिक्त 10 फीसदी जीएसटी लगाने को लेकर वित्त मंत्रालय को एक प्रस्ताव सौंपने वाले हैं। गडकरी ने मंगलवार को उत्सर्जन में कटौती में मदद के लिए डीजल वाहनों पर 10 फीसदी अतिरिक्त कर लगाने को लेकर स्पष्ट किया कि इस तरह का कोई भी प्रस्ताव सरकार के समक्ष विचाराधीन नहीं है।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने मंगलवार को नई दिल्ली में राष्ट्रीय कृषि विज्ञान केंद्र परिसर में किसानों के अधिकारों पर पहली वैश्विक संगोष्ठी का उद्घाटन किया। कार्यक्रम में 59 देशों के प्रख्यात वैज्ञानिक और किसान शामिल हुए।

भारत ने अफगानिस्तान को भेजी भरपूर मदद

50 हजार टन अनाज, 28 टन आपदा राहत सामग्री, 200 टन दवाइयां भेजीं

टीम एक्शन इंडिया/न्यूयॉर्क
भारत ने संयुक्त राष्ट्र संघ की 54वीं मानवाधिकार परिषद की बैठक में अफगानिस्तान को भरपूर मदद भेजे जाने की जानकारी दी है। साथ ही भारत ने अफगानिस्तान में शांति व स्थायित्व स्थापना की उम्मीद भी जाहिर की है।
अफगानिस्तान इस समय जबर्दस्त संकट से जूझ रहा है। संयुक्त राष्ट्र में भारत की ओर से बताया गया कि अफगानिस्तान का पड़ोसी और विकास भागीदार होने का साथ भारत और अफगानिस्तान करीबी ऐतिहासिक सभ्यताएं हैं।
अफगानिस्तान में शांति और स्थायित्व के समर्थक होने के साथ भारत ने अफगानिस्तान में मानवाधिकार विकास संबंधी कार्यों की देखरेख की बात भी कही है।
यह भी जानकारी दी गयी कि भारत ने अफगानिस्तान में 50 हजार मीट्रिक टन अनाज, 28 टन आपदा राहत पैकेज, 200 टन दवाइयां, वैक्सीन और अन्य मेडिकल आइटम भिजवाए हैं। इसके अलावा अफगानिस्तान में 11 हजार यूनिट महिला स्वास्थ्य किट्स और कंबल भी अफगानिस्तान के महिला पुनर्वास केंद्रों को भेजे हैं। विश्व खाद्य कार्यक्रम ने भी संकट से जूझ रहे अफगानिस्तान के लोगों को मदद भेजने के लिए भारत की तारीफ की।
दो साल पहले तालिबान ने फिर से अफगानिस्तान की सत्ता कब्जाई थी, उसके बाद से ही अफगानिस्तान मानवीय संकट का सामना कर रहा है। भारत, अफगान लोगों के लिए चिकित्सा और खाद्य सहायता सहित अन्य मानवीय सहायता की आपूर्ति कर रहा है।

'वीरेंद्र देव दीक्षित के खातों को फ्रीज करने के लिए स्वतंत्र है सीबीआई'

नई दिल्ली: दिल्ली हाई कोर्ट ने सीबीआई से कहा है कि वो रेप के मामले में फरार चल रहे रोहिणी स्थित आध्यात्मिक विश्वविद्यालय के संस्थापक बाबा वीरेंद्र देव दीक्षित के खातों को फ्रीज करने के लिए स्वतंत्र है। चीफ जस्टिस सतीश चंद्र मिश्रा की अध्यक्षता वाली बेंच ने बाबा को गिरफ्तार करने की कोशिशों पर सीबीआई की रिपोर्ट पर गौर करने के बाद यह आदेश दिया। कोर्ट ने सीबीआई की रिपोर्ट पर संतोष जताते हुए कहा कि वो चाहे तो बाबा के बैंक खातों को फ्रीज करे और उसकी गिरफ्तारी के लिए कोशिश लगातार जारी रखे।

राजद्रोह कानून का मामला संविधान बेंच को रेफर

टीम एक्शन इंडिया/नई दिल्ली
सुप्रीम कोर्ट ने राजद्रोह कानून के मामले को संविधान बेंच को रेफर कर दिया है। चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ बेंच का गठन करेंगे। ये बेंच 1962 के केदारनाथ फैसले की समीक्षा करेगी। केदारनाथ के फैसले में भारतीय दंड संहिता की धारा 124ए को वैध ठहराया गया था। सुनवाई के दौरान केंद्र सरकार ने नए प्रस्तावित आपराधिक कानून के पास होने तक इंतजार के लिए कहा। इस पर कोर्ट ने कहा कि नया कानून आ जाने पर भी भारतीय दंड संहिता की धारा 124ए के तहत दर्ज मुकदमे खत्म नहीं होंगे। इसलिए उसकी वैधता पर सुनवाई जरूरी है। सुनवाई के दौरान केंद्र की ओर से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि जल्दबाजी न करें। उन्होंने कहा कि क्या कुछ महीनों का इंतजार नहीं किया जा सकता। पहले की सरकारों के पास बदलाव का मौका था लेकिन वो इससे चूक गए।

मोनू मानेसर को हरियाणा पुलिस ने अरेस्ट किया

टीम एक्शन इंडिया/चंडीगढ़
हरियाणा पुलिस ने मोनू मानेसर को गिरफ्तार कर लिया है। मोनू पर 31 जुलाई को नूंह में हुई हिंसा से पहले भड़काऊ सोशल मीडिया पोस्ट डालने का केस है। नूंह पुलिस की साइबर क्राइम ब्रांच ने उसे गुरुग्राम से गिरफ्तार किया। मोनू को उसी के गांव मानेसर की मार्केट से पकड़ा गया। मोनू को गिरफ्तारी के बाद नूंह कोर्ट में पेश किया गया। जहां पुलिस ने उसका रिमांड मांगा, मगर कोर्ट ने 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भौंडसी जेल भेज दिया। मोनू मानेसर पर भिवानी में हुए राजस्थान के नासिर-जुनैद हत्याकांड में शामिल होने का आरोप है। इस केस में वह पिछले 8 महीने से फरार था। मोनू की गिरफ्तारी का पता चलते ही राजस्थान पुलिस भी कोर्ट पहुंच गई। मोनू को जेल छोड़ने पहले ही राजस्थान पुलिस को उसका ट्रांजिट रिमांड मिल गया। इसके बाद हरियाणा पुलिस ने उसे राजस्थान पुलिस के हवाले कर दिया। उसे लेकर राजस्थान पुलिस रवाना हो गई है।

सोशल मीडिया पोस्ट केस में हुई मोनू की गिरफ्तारी: मोनू मानेसर के नाम से 26 अगस्त को एक पोस्ट डाली गई थी। जिसमें लिखा था- "परिणाम की चिंता हम नहीं करते, वार एक ही होगा, पर आखिर होगा...।'। सोशल मीडिया सैल के सिपाही मनोज कुमार ने नूंह साइबर क्राइम थाने में इसकी शिकायत दी। साइबर पुलिस ने इसकी जांच की तो पता चला कि यह पोस्ट मोनू मानेसर नाम के अकाउंट से डाली गई। पुलिस के मुताबिक इस अकाउंट होल्डर ने धर्म के आधार पर विभिन्न समूहों के बीच शत्रुता फैलाई। अभद्र शब्दों का प्रयोग किया। धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाई। लोक शांति भंग की। पुलिस ने इसकी जांच की तो पता चला कि मोनू मानेसर उर्फ मोहित यादव के नाम पर चल रहे मोबाइल नंबर से ही यह पोस्ट डाली गई। इसके बाद उसके खिलाफ धारा 153, 153अ, 295अ, 504, 109 क्ढउ और आर्म्स एक्ट के तहत केस दर्ज कर लिया गया।

गिरफ्त में

मोनू मानेसर पर भिवानी में हुए राजस्थान के नासिर-जुनैद हत्याकांड में शामिल होने का आरोप है

यूपी कैबिनेट: बुंदेलखंड में बसेगा नया औद्योगिक शहर

टीम एक्शन इंडिया/लखनऊ
बुंदेलखंड के सतत विकास के साथ-साथ वन ट्रिलियन इकॉनमी की अर्थव्यवस्था बनने के अपने संकल्प को पूरा करने के लिए योगी सरकार ने मंगलवार को एक महत्वपूर्ण और ऐतिहासिक निर्णय लिया है। लोकभवन में सीएम योगी की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट की बैठक में सरकार ने नोएडा की तर्ज पर बुंदेलखंड में नया औद्योगिक शहर बसाने के प्रस्ताव को मंजूरी प्रदान की है। इस निर्णय से बुंदेलखंड के जिलों को विकास की मुख्य धारा से जोड़ा जा सकेगा और इंफ्रास्ट्रक्चर के साथ ही यहां रोजगार की असीमित सुविधाओं का सृजन संभव हो सकेगा।
उल्लेखनीय है कि उत्तर प्रदेश में इससे पूर्व 1976 में औद्योगिक शहर नोएडा के गठन का निर्णय लिया गया था और अब 47 वर्षों के बाद एक नए शहर की स्थापना का निर्णय लिया गया है।

संकल्प

जिलों को विकास की मुख्य धारा से जोड़ा जा सकेगा, रोजगार की असीमित सुविधाओं का सृजन संभव हो सकेगा

पहले चरण में 35 हजार एकड़ जमीन का अधिग्रहण : कैबिनेट की बैठक के बाद वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री सुरेश खन्ना ने पारित हुए प्रस्तावों की विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि बैठक में मुख्यमंत्री औद्योगिक क्षेत्र विस्तारीकरण व नए औद्योगिक क्षेत्र प्रोत्साहन योजना के अंतर्गत झांसी में बुंदेलखंड औद्योगिक विकास प्राधिकरण (बीडा) द्वारा नोएडा की तर्ज पर एक नए इंडस्ट्रियल टाउनशिप को विकसित किए जाने के प्रस्ताव को मंजूरी प्रदान की गई है।

'स्टिच्ड शिप' से भारत की 2000 साल पुरानी समुद्री विरासत होगी पुनर्जीवित: लेखी

प्राचीन सिले हुए जहाज का पुनर्निर्माण एक बहु-मंत्रालयी परियोजना है, जिसके डिजाइन और निर्माण की देखरेख भारतीय नौसेना के पास है

टीम एक्शन इंडिया/नई दिल्ली
भारत की प्राचीन समुद्री विरासत को पुनर्जीवित करने के मकसद से मंगलवार को गोवा में 'स्टिच्ड शिप' बनाने के लिए महत्वपूर्ण कील बिछाने का समारोह हुआ। इस अनूठी पहल के तहत लकड़ी के तख्तों के माध्यम से जहाजों को एक साथ सिलने की 2000 साल पुरानी भारतीय तकनीक पुनर्जीवित होगी। यह उन जहाजों की याद दिलाएंगे, जो कभी भारत को दुनिया से जोड़ने वाले प्राचीन समुद्री व्यापार मार्गों पर महासागरों में चलते थे। भारतीय नौसेना, संस्कृति मंत्रालय और मेसर्स होदी इनोवेशन, गोवा के बीच 18 जुलाई को 22 महीनों में जहाज के निर्माण और वितरण के लिए त्रिपक्षीय अनुबंध हुआ था। संस्कृति मंत्रालय, भारतीय नौसेना, बंदरगाह नौवहन एवं जलमार्ग मंत्रालय और विदेश मंत्रालय के बीच यह सहयोगात्मक प्रयास प्राचीन नेविगेशन तकनीकों का उपयोग करके पारंपरिक समुद्री व्यापार मार्गों के साथ सिले हुए जहाज पर एक अनूठी यात्रा करने के साथ समाप्त होगा। यह उल्लेखनीय परियोजना भारत की सांस्कृतिक और सभ्यतागत विरासत का स्मरण करेगी, जिसमें समुद्री यात्रा और जहाज निर्माण एक महत्वपूर्ण पहलू था। आर हरि कुमार, प्रधानमंत्री के आर्थिक सलाहकार परिषद के सदस्य संजीव सान्याल की उपस्थिति में संस्कृति और विदेश राज्यमंत्री मीनाक्षी लेखी ने प्राचीन सिले हुए जहाज की नींव रखी।

अनूठी यात्रा

पारंपरिक समुद्री व्यापार मार्गों के साथ सिले हुए जहाज पर एक अनूठी यात्रा करने के साथ समाप्त होगा

देश का औद्योगिक उत्पादन जुलाई महीने में 5.7 फीसदी बढ़ा

नई दिल्ली: औद्योगिक उत्पादन की रफ्तार में तेजी आई है। देश का औद्योगिक उत्पादन जुलाई में 5.7 फीसदी बढ़ा है। इससे पिछले महीने यह 3.7 फीसदी की दर से बढ़ा था। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) ने यह जानकारी दी। एनएसओ की ओर से मंगलवार को जारी आंकड़ों के मुताबिक औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (आईआईपी) पर आधारित औद्योगिक उत्पादन जुलाई महीने में 5.7 फीसदी बढ़ा है। पिछले साल की समान अवधि में 2.2 फीसदी की वृद्धि हुई थी। वहीं, इससे पिछले महीने यह 3.7 फीसदी की दर से बढ़ा था।

देश में 763 सांसद, 306 पर क्रिमिनल केस

टीम एक्शन इंडिया/नई दिल्ली
एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स ने सांसदों पर दर्ज क्रिमिनल केस को लेकर रिपोर्ट जारी की है। इसमें बताया गया है कि देश के कुल 763 सांसदों में से 306 सांसदों के खिलाफ आपराधिक मामले दर्ज हैं। इनमें से 194 सांसदों के खिलाफ हत्या और महिलाओं से अत्याचार के गंभीर केस हैं। एडीआर ने यह रिपोर्ट लोकसभा और राज्यसभा सदस्यों की तरफ से दायर हलफनामे के हवाले से जारी की है।

बिहार के सबसे ज्यादा 41 सांसदों के खिलाफ केस दर्ज: रिपोर्ट में आगे बताया गया है कि लक्षद्वीप से एक सांसद, केरल के 29 सांसदों में से 23, बिहार के 56 सांसदों में से 41, महाराष्ट्र के 65 सांसदों में से 37, तेलंगाना के 24 सांसदों में से 13 और दिल्ली के 10 सांसदों में से 5 के खिलाफ क्रिमिनल केस दर्ज हैं।

यूपी के सबसे ज्यादा 37 सांसदों के खिलाफ गंभीर मामले दर्ज: एडीआर ने अपनी रिपोर्ट में बताया कि लक्षद्वीप से एक, बिहार के 56 सांसदों में से 28, तेलंगाना के 24 सांसदों में से 9, केरल के 29 सांसदों में से 10, महाराष्ट्र के 65 सांसदों में से 22 और यूपी के 108 सांसदों में से 37 के खिलाफ गंभीर मामले दर्ज हैं। राज्यसभा के 225 सदस्यों में 27 यानी (12%) अरबपति हैं। अरबपति सांसदों में सबसे ज्यादा संख्या भाजपा के सदस्यों की है। 225 में बीजेपी के 85 सदस्य हैं, जिनमें 6 यानी 7% सांसद अरबपति हैं। कांग्रेस के 30 सदस्यों में 4 यानी 13% अरबपति हैं। वाईएसआर कांग्रेस के 9 में से 4 (44%), आम आदमी पार्टी के 10 में 3 (30%) और इफ्र के 7 में 3 (43%) सांसद अरबपति हैं।

रिपोर्ट जारी

इनमें से 194 सांसदों के खिलाफ हत्या और महिलाओं से अत्याचार के गंभीर केस हैं: एडीआर रिपोर्ट

जायजा लिया प्रदेश के लोगों ने मजबूती से आपदा का सामना किया: प्रियंका गांधी, केन्द्र को राज्य की उदारतापूर्वक मदद करनी चाहिए: सीएम

मुख्यमंत्री और प्रियंका गांधी ने कुल्लू में आपदाग्रस्त क्षेत्रों का दौरा किया

टीम एक्शन इंडिया/कुल्लू/ श्याम कुल्वी
मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंदर सिंह सुक्खू और राष्ट्रीय कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने गत दिवस को जिला कुल्लू में भारी बारिश के कारण आपदाग्रस्त स्थानों का दौरा किया और प्रभावितों से भेंट की। दोनों नेताओं ने कुल्लू के संगम ब्रिज तथा मनाली के आलू ग्राउंड सहित विभिन्न स्थानों का बारिश से हुए नुकसान का निरीक्षण किया। लोगों ने प्रियंका गांधी को अवगत कराया कि मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंदर सिंह सुक्खू और राज्य सरकार ने आपदा में उन्हें हर संभव मदद प्रदान की है। मनाली में पत्रकारों से बातचीत करते हुए प्रियंका गांधी ने कहा कि हिमाचल प्रदेश के लोगों ने आपदा का मजबूती के साथ एकजुट होकर सामना किया है और राज्य के मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंदर सिंह सुक्खूए सभी मंत्री और कांग्रेस के विधायकों ने ग्राउंड जीरो पर रहकर लोगों की मदद की है। उन्होंने कहा कि राज्य के लोग श्रमदान कर रहे हैं और बढ़.चढ़ कर आर्थिक मदद भी प्रदान कर रहे हैं। जिस भावना के साथ राज्य के सभी लोगों ने इस मुश्किल घड़ी का सामना किया है, वह पूरे देश के लिए मिसाल है। राज्य सरकार अपने संसाधनों से प्रभावित परिवारों की भरपूर मदद करने का प्रयास कर रही है लेकिन केंद्र सरकार की मदद के बिना हिमाचल प्रदेश को फिर से पटरी पर लाना मुश्किल है इसलिए केंद्र सरकार को इस त्रासदी को राष्ट्रीय आपदा घोषित करना चाहिए और हिमाचल प्रदेश की खुल कर मदद करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार को हिमाचल प्रदेश की मदद करते हुए यह नहीं देखना चाहिए कि राज्य में कांग्रेस की सरकार है या भाजपा की।

आपदाग्रस्त क्षेत्र

राज्य के लोग श्रमदान कर रहे हैं और बढ़.चढ़ कर आर्थिक मदद भी प्रदान कर रहे हैं: प्रियंका गांधी

जानकारी

कार्डियो एक्सरसाइज के दौरान लें ये 5 चीजें

कार्डियो के एक सेशन के लिए बड़ी मात्रा में ऊर्जा की आवश्यकता होती है। कार्डियो वर्कआउट हृदय गति को बढ़ाकर रक्त और ऑक्सीजन के प्रवाह को बेहतर बनाता है। आपको बता दें कि कार्डियो एक्सरसाइज में दौड़ना, तैरना, साइकिल चलाना और बहुत सारे व्यायाम आते हैं। इसके अंतर्गत आने वाले व्यायामों को कम तीव्रता के साथ शुरू करना पड़ता है जिसकी गति धीरे-धीरे बढ़ती है। कार्डियो एक्सरसाइज से वजन तो तेजी से कम होता ही है साथ ही इससे नियंत्रित तनाव, रक्तचाप और कोलेस्ट्रॉल भी नियंत्रित होता है। अपने कार्डियो सत्र को पूरा करने के लिए आपको अच्छे ऊर्जा स्रोतों की आवश्यकता होती है। आप पूरी तरह से कार्डियो सत्र के लिए अपनी ऊर्जा को फिर से भरने के लिए कार्ब्स पर निर्भर नहीं हो सकते। अन्य कार्डियो फ्रेंडली आहार विकल्प हैं जिनसे आप पर्याप्त ऊर्जा प्राप्त करने के लिए अपने आहार में शामिल कर सकते हैं।

मिलेगी एनर्जी

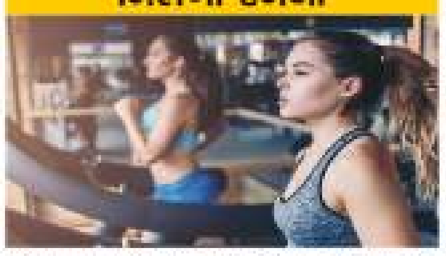

प्रोटीन

प्रोटीन को जिम का सबसे घनिष्ट साथी माना जाता है। प्रोटीन शेक या प्रोटीन युक्त अन्य पदार्थ जिम जाने वालों के लिए वरदान माने जाते हैं। यह आपको तुरंत ऊर्जा प्रदान कर सकता है। आप अपने वर्कआउट के बीच भी इसका सेवन कर सकते हैं। आप भोजन के लिए कार्बोहाइड्रेट और प्रोटीन का संयोजन भी बना सकते हैं। यह एक संपूर्ण भोजन होगा जो आपको तुरंत ऊर्जा प्रदान कर सकता है।

एनर्जी शेक और स्मूदी

कार्डियो करने वालों के लिए एनर्जी शेक और स्मूदी जबरदस्त स्रोत होते हैं। आप कार्डियो फ्रेंडली स्मूदी तैयार करने के लिए दही के साथ अपनी पसंद के फल को मिला सकते हैं। आप अपने कार्डियो सत्र से पहले या सत्र के बीच में शेक या स्मूदी पी सकते हैं। आपको फल के पोषक तत्व प्रदान करेगा। उन्हें तैयार करने के लिए मौसमी फलों का उपयोग करना सबसे अच्छा तरीका है।

फाइबर युक्त आहार

फाइबर एक स्मार्ट विकल्प है, जब कार्डियो फ्रेंडली खाद्य पदार्थों की बात आती है। फाइबर वजन घटाने के अनुकूल होने के साथ-साथ यह आपको लंबे समय तक भरा हुआ रखता है और आपको बार-बार भूख नहीं लगती है। यदि आप अपने आहार में अधिक फाइबर शामिल करते हैं तो आप अनावश्यक कैलोरी का उपभोग करने की संभावना कम करते हैं।

नट्स और सीड्स

नट्स और सीड्स का मिश्रण आपको तुरंत ऊर्जा दे सकता है। मुट्ठी भर नट आपके लिए आवश्यक ऊर्जा देने के लिए पर्याप्त है। नट्स और सीड्स आपको अधिक समय तक भरे रखते हैं और आपको बेकार की चीजों को खाने से रोकते हैं। नट्स और सीड्स में से कुछ जिन्हें आप अपने आहार में शामिल कर सकते हैं, उनमें है- बादाम, फ्लैक्स सीड्स, भांग के बीज, चिया सीड्स और अखरोट।

साबुत अनाज

साबुत अनाज अपने आप में ही कई पोषक तत्वों का स्रोत होता है। साबुत अनाज का सेवन आपको वजन कम करने में मदद करने के लिए आपको पर्याप्त फाइबर प्रदान करेगा। साबुत अनाज में कार्ब्स की मात्रा अधिक होती है जो कार्डियो फूड के अनुकूल बनाती है। आप विभिन्न तरीकों से अपने आहार में साबुत अनाज शामिल कर सकते हैं। साबुत अनाज आपको कार्डियो के लिए अधिक ताकत प्रदान करेगा और आपकी मांसपेशियों के लिए ईंधन का काम करेगा।

गर्भावस्था के बारे में ये बातें कोई नहीं बताता आपको

जो गर्भावस्था एक महिला के जीवन के सबसे रोमांचक और चुनौतीपूर्ण समय में से एक है, लेकिन कई महिलाएं मातृत्व के इस नौ महीने की इस यात्रा को बहुत कम जानते हुए शुरू करती हैं। ऐसी कई बातें है जिनका उल्लेख महिलाओं को तब होता है जब वह उनके साथ होती है।

गर्भावस्था में इन बातों को नहीं जानती आप

गर्भावस्था एक महिला के जीवन के सबसे रोमांचक और चुनौतीपूर्ण समय में से एक है, लेकिन कई महिलाएं मातृत्व के इस नौ महीने की इस यात्रा को बहुत कम जानते हुए शुरू करती है। इम्पीरियल कॉलेज ऑफ लंदन के प्रोफेसर विवेट ग्लोवर प्रोम के अनुसार गर्भधारण करने के बाद महिला का शरीर कई बदलावों से गुजरता है। महिला के शरीर में बदलाव हार्मोन में परिवर्तन के कारण होते हैं। लेकिन ऐसी कई बाते है जिनका उल्लेख महिलाओं को तब होता है जब वह उनके साथ होती है। आइए ऐसी ही कुछ बातों की जानकारी हम आपको देते हैं।

श्रोणि में दर्द

गर्भावस्था के दौरान एक महिला का शरीर जन्म देने के लिए तैयार होने के कारण कई सामान्य परिवर्तनों से गुजरना पड़ता है। इस दौरान रिलैक्सिन नामक हार्मोन के स्नाव, स्नायुबंध, मसल्स और नसों को अधिक से अधिक लचीलापन देता है। इसके अलावा, रिलैक्सिन बच्चे के सिर को नीचा लाने के लिए एक महिला के श्रोणि पर्याप्त लचीला बनाता है। इस अतिरिक्त लचीलेपन के साथ मसल्स को खींचाव आसान होता है। कभी-कभी गर्भावस्था के अंतिम दिनों में, जोड़ महिला के श्रोणि के दो हिस्सों को एक साथ कसकर रखते हैं, बिल्कुल अलग होकर एसपीडी का कारण बनता है। इससे महिला के खड़े होने, घूमने और बैठे रहने पर श्रोणि और पीठ में दर्द होने लगता है।

भावनात्मक बदलाव

प्रोफेसर ग्लोवर के अनुसार गर्भवती में अन्य महिलाओं की तुलना में चिंता और अवसाद के लक्षण अधिक देखने को मिलते हैं। इस दौरान किसी भी महिला में असामान्य भावनात्मक परिवर्तन होना सामान्य ही माना जाता है। हॉर्मोन्स में हो रहे बदलावों के चलते महिलाओं के स्वभाव में तो परिवर्तन आता ही है और वे अधिक गुस्सा करने लगती हैं। उनका स्वभाव चिड़चिड़ा और अजीब सा हो जाता है। इसके अलावा हार्मोनल बदलाव, विशेष रूप से गर्भावस्था के पहले तीन महीनों में होने वाले बदलाव महिला के मन को प्रभावित कर उसे बीमार, थका हुआ और रुआंसा महसूस कराते हैं। लेकिन यह बदलाव बच्चे के स्वास्थ्य पर बुरा असर डाल सकता है।

मसूड़ों से खून बहना

कई बार गर्भवती महिलाओं को मसूड़े से खून आने की दिक्कत अधिक होती है। इसे प्रेग्नेंसी जिन्जवाइटिस भी कहते हैं। इसमें हार्मोनल बदलाव की वजह से मसूड़ों तक सही तरीके से ब्लड नहीं पहुंच पाने के कारण मसूड़े कमजोर होने लगते हैं और उनसे खून निकलता है। इसलिए महिलाओं को ब्रश करते समय या फ्लॉस करते समय आपके दांतों में से खून आता है तो आपको डेंटिस्ट के पास तुरन्त जाना चाहिए। साथ ही अपने दांतों की अच्छी तरह से देखभाल के लिए नियमित रूप से चेकअप के लिए अपने दंत चिकित्सक के पास जायें।

कब्ज

अधिकांश महिलाओं को गर्भावस्था के दौरान कब्ज की शिकायत रहती है। हार्मोन्स में आए बदलाव के कारण शरीर की पाचन प्रक्रिया धीमी होने पर आंतों की शिथिल मांसपेशियां कब्ज पैदा करने लगती हैं। गर्भावस्था के आखिरी दो तिमाही में आंतों पर गर्भाशय का दबाव कब्ज पैदा कर देता है। इससे निजात पाने गर्भवती को अपने नियमित आहार में फाइबर (रेशेदार) युक्त खाद्य पदार्थ जैसे फल एवं सब्जियों व दालों का ज्यादा से ज्यादा मात्रा में सेवन करना चाहिए। खूब पानी पिएं। कैफीन युक्त पेय पदार्थों के सेवन करने से बचें, क्योंकि कैफीन से आपका शरीर नियमित रूप से मल त्यागने के लिए आवश्यक द्रवों को नष्ट कर देता है। इसके अलावा हल्के व्यायाम को शामिल करें।

बवासीर

लगभग 50 प्रतिशत गर्भवती में बवासीर की समस्या देखने को मिलती है- जिसमें मलाशय में सूजन और उभरी हुई नसों की समस्या, आमतौर पर प्रसव के बाद बेहतर हो जाती है। गर्भावस्था के दौरान गर्भाशय के विस्तार से मलाशय नसों पर अधिक दबाव पड़ने से बवासीर की समस्या होने लगती है। इस समस्या के चलते खुजली और खून बहने के साथ लंबे समय तक बैठने पर असहज महसूस होता है।

बालों के टेक्सचर में बदलाव

गर्भावस्था के दौरान महिलाओं के बालों की ग्रोथ के साथ-साथ उनके टेक्सचर में भी काफी बदलाव दिखता है। यह सब गर्भावस्था के दौरान महिलाओं में आए हॉर्मोनल बदलाव के कारण होता है, इसको एस्ट्रोजन नामक हॉर्मोन प्रभावित करता है। जिसके बढ़ने से बाल अधिक घने और चमकदार होने लगते हैं। बच्चे को जन्म देने के बाद ये साइकल सामान्य हो जाते हैं। लेकिन डिलीवरी के बाद कई महिलाओं को हेयर फॉल की शिकायत रहती है। क्योंकि ऐसे में पहले ही बढ़े हुए बालों का बढ़ना रुक जाता है और वह सब एक साथ गिरने लगते हैं।

सुनाई कम देना

गर्भावस्था हार्मोन कभी-कभी अस्थायी सुनवाई हानि या टिनिटस (कान में घंटी जैसा बजना) का कारण भी बनता है। कुछ गर्भवती महिलाओं, विशेष रूप से एलर्जी से ग्रस्त महिलाओं में साइनस की समस्या अधिक देखने को मिलती है। भीतरी कान में तरल पदार्थ के साथ नम और संचार प्रणाली के साथ जुड़े होने के कारण, गर्भावस्था में रक्त की मात्रा के बढ़ने पर महिलाओं के कर्णपटल नली को प्रभावित कर, कान के अवरुद्ध होने की भावना पैदा करता है। चाहे आप गर्भवती है या नहीं, लेकिन ठंड जैसे वायरस के पकड़ने पर समस्या दूर होने तक अस्थायी रूप से आपको कम सुनाई देता है।

सुझाव

स्वस्थ फेफड़ों के लिए लें खास आहार

हमारा खान-पान कैसा हो जो फेफड़ों के लिए फायदेमंद रहे। अगर फेफड़ों में कोई परेशानी हो, तो अपने खाने में क्या शामिल करें प्रदूषण, धूम्रपान आदि के दुष्प्रभावों के कारण छाती व फेफड़ों से संबंधित परेशानियां बढ़ती जा रही हैं। हम आहार पर थोड़ा-सा गौर करके अपने फेफड़ों को ज्यादा सेहतमंद बना सकते हैं।

क्या खाएं

विटामिन सी युक्त भोजन और फल लें। इनमें खट्टे फल, नींबू, संतरा, मौसमी आदि प्रमुख हैं। संतुलित आहार लें, जो दाल और अन्न से परिपूर्ण होना चाहिए। यदि फेफड़ों से संबंधी कोई परेशानी है या फेफड़ों में किसी तरह के संक्रमण की शिकायत है तो प्रोटीन से भरपूर डाइट लें, ताकि शरीर में हुई क्षति को जल्दी ठीक किया जा सके। प्रोटीन के लिए सोयाबीन, सभी तरह की दालें, पनीर, अंडा आदि खा सकते हैं। दिन में कम-से-कम डेढ़ से दो लीटर पानी अवश्य पिएं। इससे बलगम को बाहर निकलने में सहायता मिलती है। फलों से मिलने वाले विटामिन्स और मिनरल्स फेफड़ों को दुरुस्त रखने में सहायक होते हैं। मौसमी फल खाना अधिक हितकर होता है। खाने-पीने का समय निर्धारित करें और नियमित अंतराल पर खाएं।

मौसम के अनुरूप यह रखें ध्यान

आजकल के उमस भरे मौसम में फेफड़ों को स्वस्थ रखने या उनसे संबंधित परेशानी से राहत के लिए पानी खूब पिएं। फेफड़ों से संबंधित किसी तरह की परेशानी है तो बहुत खट्टा या ठंडा न खाएं। इससे फेफड़ों में सूजन की आशंका रहती है। शरीर को एकदम सर्दी से गर्मी या गर्मी से सर्दी में ले जाने से बचें।

क्या नहीं खाएं

बासी भोजन न करें। इससे फेफड़ों को नुकसान पहुंचता है और पाचन तंत्र भी बिगड़ता है। यदि फेफड़ों का किसी तरह का रोग है, तो तेज मसाले और तला-भुना खाने से भी बचें, क्योंकि इससे एसिडिटी की शिकायत हो सकती है, जो फेफड़ों के लिए बहुत हानिकारक होती है।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): निकटस्थ व्यक्ति का सहयोग काम को गति दिला देगा। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम होगी। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक होगा। शुभांक-1-3-5

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): अपने हित के काम सुबह-सवेरे निपटा लें। यात्रा शुभ होगी। अपने काम पर पैनी नजर रखिए। विरोधी नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेगा। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। शुभांक-2-4-6

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को ह): अपने काम को प्राथमिकता से करें। बुरी संगति से बचें। आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। लेन-देन में जल्दबाजी ठीक नहीं। निर्मूल शंकाओं के कारण मनस्ताप भी पैदा हो सकते है। भय तथा शत्रुहानि की आशंका रहेगी। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। हाथ-पैरों में पीड़ा हो सकती है। शुभांक-4-7-9

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): दूसरों के कार्यों में अनावश्यक हस्तक्षेप न करें। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सवेरे ही निपटा लें। रुपए पैसों की सुविधा मिल पाएगी। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। शुभांक-2-4-5

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): मान-सम्मान में वृद्धि होगी। यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। यात्रा शुभ रहेगी। सुविधाओं में बाधा आएगी। चिंतनीय वातावरण से मुक्ति मिलेगी। शुभांक-4-5-6

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): संतोषजनक सफलता मिलेगी। निष्ठा से किया गया कार्य पराक्रम व आत्मविश्वास बढ़ाने वाला होगा। मेहमानों का आगमन होगा। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। नैतिक दायरे में रहें। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। विद्यार्थियों को लाभ। वाहन चालन में सावधानी बरतें। आय के अच्छे योग बनेंगे। शुभांक-2-4-7

तुला (रा री रू रे रो ता ती तू ते): परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। बुरी संगति से बचें। धनार्जन का वातावरण बनेगा। शुभांक-5-6-9

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। मित्रों से सावधान रहें तो ज्यादा उत्तम है। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। शुभांक-3-6-8

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। व्यवसाय में प्रतिद्वंद्वी परेशान कर सकते हैं। समय व्यर्थ सिद्ध होगा। वैचारिक उत्तेजना पर नियंत्रण रखें। कुछ महत्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। अपनी परिस्थिति को संभालकर रखें। शुभांक-3-5-7

मकर (भो जा जी खी खू खे खो गा गी): व्यापार में वृद्धि व उत्तम लाभ मिलेगा। मित्रों की उपेक्षा करना ठीक नहीं होगा। नौकरी क्षेत्र में कुछ उलझनें रहेंगी। यश-प्रतिष्ठा में वृद्धि व शिक्षा में परेशानी आ सकती है। व्यापार में वृद्धि होगी। नौकरी में सहयोगियों का सहयोग प्राप्त होगा। मेहमानों का आगमन होगा। शुभांक-4-6-8

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): महत्वपूर्ण निर्णय के लिए दूरदर्शिता से काम लें। कोष में कमी व व्यय की अधिकता से परेशान होंगे। किसी से वाद-विवाद अथवा कहासुनी होने का भय रहेगा। जल्दबाजी में कोई भूल संभव है। कार्य भार बढ़ेगा। जरा-सी लापरवाही आपको परेशानी में डाल सकती है। सलाह उपयोगी सिद्ध होगी। शुभांक-2-6-9

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): प्रतिष्ठा बढ़ाने वाले कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। कई प्रकार के हर्ष उल्लास के बीच अप्रत्याशित विघ्न पैदा होंगे। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। शुभांक-5-6-8

काकुरो पहेली - 2585

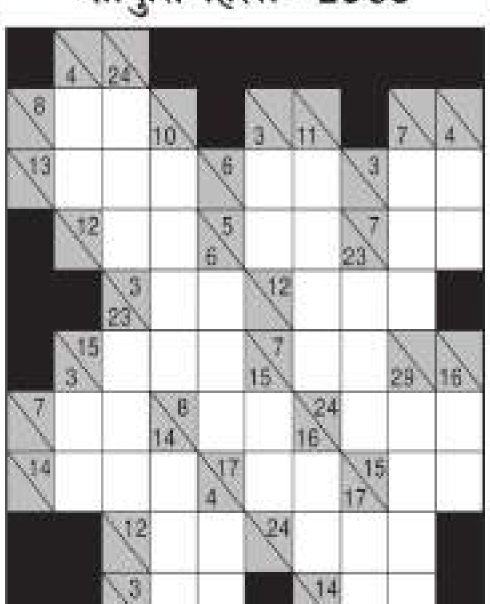

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर, नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आगे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए, किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणार्थ:

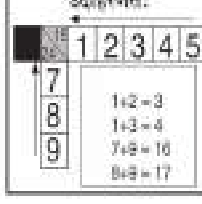

1+2 = 3
1+3 = 4
7+9 = 16
8+9 = 17

काकुरो - 2584का हल

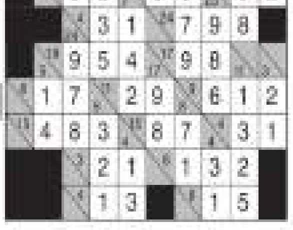

लॉफिंग ज़ोन

एक मुकदमे की सुनवाई चल रही थी. गवाही के लिए एक बूढ़ी महिला को बुलाया गया. सरकारी वकील ने बुढ़िया से पूछा, 'दादी मां, क्या आप मुझे जानती है?'

'हां, हां. बेटा मै तो तुझे बचपन से जानती हूं पर तुमने मुझे बहुत निराश किया है. तुम झूठ बोलते हो, अपनी बीवी को पीटते हो और लोगों के बारे में पीठ पीछे बाते करते हो. तुम खुद को तीसमारखां समझते हो, लेकिन तुम्हें पता नही है कि तुम किसी लायक नही हो.' बुढ़िया ने जवाब दिया. सरकारी वकील सन्न रह गया. हिम्मत बटोरकर उसने पूछा, 'दादी मां, क्या आप दूसरे वकील को भी जानती है?'

'हां, हां. बेटा मैं तो उसकी आया रही हूं. वह भी बिल्कुल तुम्हारे जैसा है. वह बहुत आलसी भी है और शराब का कीड़ा है. दुनिया में किसी से उसकी निभ नहीं सकती.' बुढ़िया ने जवाब दिया.

अदालत सन्न रह गई. जज ने तुरंत हथौड़ा पीटा, दोनों वकीलों को अपने पास बुलाया और बेहद कड़ी आवाज में फुसफुसाकर कहा, 'अगर तुममें से किसी ने भी बुढ़िया से यह पूछा कि क्या वह मुझे जानती है तो मैं तुम्हें अदालत की अवमानना करने के जुर्म में जेल भेज दूंगा.'

☺ ☺ ☺

फिल्म वर्ग पहेली- 2585

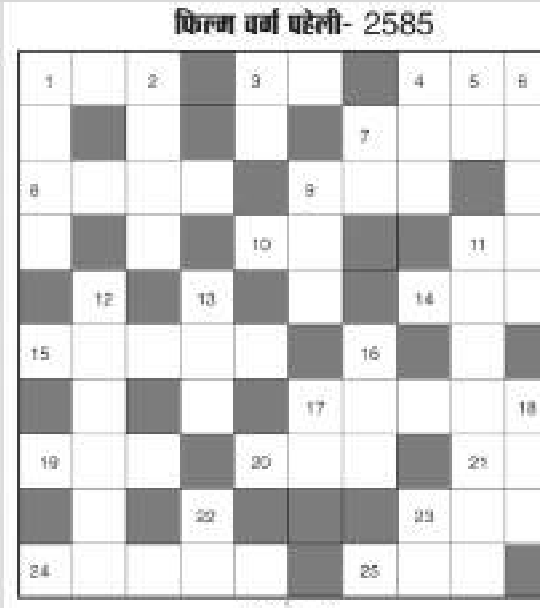

बायें से दायें:-

१. 'हम बनी खुद मंजिल' गीत वाली विश्वजीत, वहीदा की फिल्म-३
३. संजीवकुमार, सुचित्रासेन की 'तेरे बिना जिंदगी से कोई' गीत वाली फिल्म-२
४. 'मैं ने तेरे लिए ही' गीत वाली अमिताभ, राजेश खन्ना, शर्मिला की फिल्म-३
६. गोविंदा, आदित्य, नीलम, मंदाकिनी की अजय कश्यप निर्देशित फिल्म-४
८. 'कितना मजा आ रहा है' गीत वाली धर्मेंद्र, हेमा मालिनी की फिल्म-२,२
९. राजेंद्रकुमार, वहीदा की 'ये मौसम भीगा भीगा है' गीत वाली फिल्म-३
१०. 'ना जइयो परदेस' गीत वाली दिलीपकुमार, अनिलकपूर, जैकी श्रॉफ, श्रीदेवी, पूनम ढिल्लों की फिल्म-२
११. जॉन अब्राहम, तारा शर्मा की 'हर तरफ हर जगह' गीत वाली फिल्म-२
१४. 'ऐ मेरे मेहरबां ऐ मेरे हमनशीं' गीत वाली मनोजकुमार, साधना की फिल्म-३
१५. जीतेंद्र, रेखा की 'गोकुल की गलियों का' गीत वाली फिल्म-२,२,१
१७. 'जाओ जाओ हम से क्या' गीत वाली जैकी श्रॉफ, अमृता सिंह की फिल्म-२,३
१९. अरविंद, प्रभुदेवा, काजोल की 'चंदा रे चंदा रे कभी' गीत वाली फिल्म-३
२०. 'सिलसिला शुरू हुआ यहीं से' गीत वाली फिल्म-३
२१. राजकपूर, नर्गिस की 'राजा की आएगी बारात' गीत वाली फिल्म-२
२३. शशि, संजीवकुमार, वहीदा, पूनम की फिल्म-३
२४. राहुलरॉय, शीबा की 'मेरी दोस्ती में मिला है' गीत वाली फिल्म-२,१,२
२५. 'देखो मेरा दिल मचल' गीत वाली राजेंद्रकुमार, वैजयंती की फिल्म-३

ऊपर से नीचे:-

१. अमिताभ, जया भादुड़ी, राखी की 'हम हैं बनारस के भैया' गीत वाली फिल्म-४
२. शाहरुख, विवेक, जूही की फिल्म-४
३. धर्मेंद्र, माला सिन्हा की 'गैरों पे करम अपनों पे सितम' गीत वाली फिल्म-२
४. 'कभी तो मिलेगी कहीं' गीत वाली अशोक, प्रदीप, मीना की फिल्म-३
५. फिल्म 'परिवार' में जीतेंद्र के साथ नायिका कौन थी-३
६. शाहरुख, किरण, राखू, रेखा की फिल्म-५
७. सनी, सुस्मिता सेन की 'कोई देख रहा सुन सुन के' गीत वाली फिल्म-१
९. 'तेरे चेहरे में वो' गीत वाली फिरोज खान, हेमा मालिनी, रेखा की फिल्म-३
११. जॉय, साधना की 'दिल की महफिल सजी है' गीत वाली फिल्म-२,२,३
१२. 'इक तुम पास ना आना' गीत वाली अमिताभ, लक्ष्मी छाया की फिल्म-३,१,२
१३. अक्षयकुमार, माधुरी दीक्षित की 'दुनिया से दूर जा रहा हूं' गीत वाली फिल्म-३
१६. राजकुमार, शत्रुघ्न सिन्हा, हेमा मालिनी, मिथुन चक्रवर्ती की फिल्म-३
२०. आमिर खान, फिरदौस, ट्विंकल की 'कमलिया लचके रे' गीत वाली फिल्म-२
१८. 'ये दुनिया वाले पूछेंगे' गीत वाली देव आनंद, आशा पारेख की फिल्म-३
२२. 'आज सजन मोहे अंग लगा लो' गीत वाली फिल्म-२
२३. नसीरुद्दीनशाह, अनुराग अंहिशोत्री, पूजा भट्ट की फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 2584

सूडोकु -2585

7	4	6		1		8		2
	5		8		7			
9				6				
	6		7	9		5		3
5				4				1
3		1		8	2		7	
				5				6
			4		3		9	
4		3		2		1	5	7

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -2584 का हल

8	7	9	4	2	5	6	1	3
5	6	3	8	1	7	4	2	9
4	1	2	6	9	3	5	8	7
1	9	8	3	7	4	2	6	5
7	3	4	2	5	6	8	9	1
2	5	6	1	8	9	7	3	4
9	8	5	7	3	2	1	4	6
6	2	7	9	4	1	3	5	8
3	4	1	5	6	8	9	7	2

शब्द पहेली - 2585

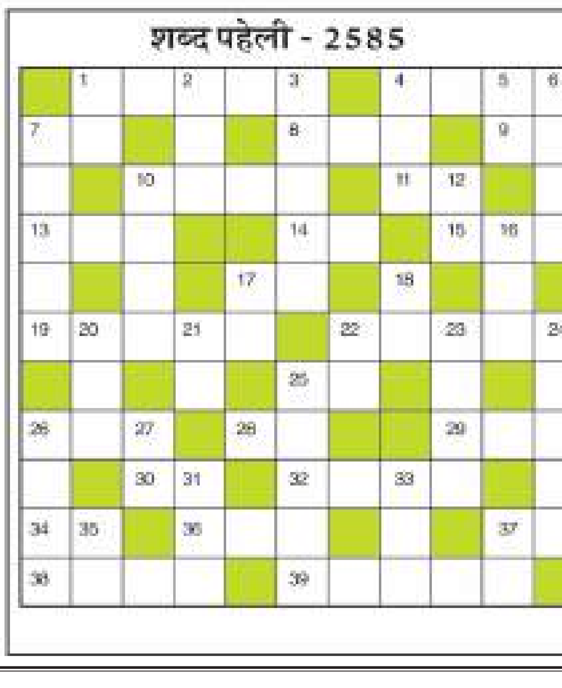

बाएं से दाएं

1.महर्षि वेदव्यास द्वारा रचित महाकाव्य-5
4.आज्ञापत्र, फतवा-4
7.शरीर, बदन-2
8.होशियार, हुनरमंद-3
9.नस, नाड़ी-2
10.तीर रखने का पात्र-4
11.गधा, गर्दभ-2
13.जो बंदी हो-3
14.पत्नी, भार्या-2
15.दृष्टि, निगाह-3
17.चैराता, दक्षिणा-2
19.अपने ही घर में कैद होना-5
22.भाग्यशाली-5
25.जी, इच्छा-2
26.तन, काया-3
28.दुनिया, संसार-2
29.वेतन-3
30.भीगा हुआ-2
32.सागौन, एक प्रकार की मूल्यवान लकड़ी-4
34.परिणाम,हल,छूट-2
36.सनेग-3
37.राजकपूर,नर्गिस की फिल्म-2
38.चाणक्य के समय मगध की राजधानी-4
39.निरस्त करना-2,3

ऊपर से नीचे

1.आमिर,मनीषा कोइराला की फिल्म-2
2.रवि, सूर्य-3
3.तमाशा देखनेवाले-5
4.परीक्षण,जांच-3
5.सप्ताह का दिन-2
6.जो नापसंद हो (उर्दू-4)
7.गोविंदा व खुशबू की फिल्म-2,3
10.भाग्य,किस्मत-4
12.क्रिकेट में चलते है-2
16.नसीरुद्दीन शाह की एक फिल्म -3
17.खुशबू-2
18.रस्सी पर अपराधी को लटकाना-2
20.आवश्यक-3
21.कैदी, बंधक-2
22.इसाई साध्वी-2
23.बालकपन-4
24.असावधान-5
25.महासमुद्र-5
26.सज्जनता, भद्रता-4
27.अभिषेक की फिल्म-2
31.मुद्रा (उर्दू-3)
33.पाचन करनेवाला-3
35.उद्देश्य-2
37.आगमन,आने का भाव-2

शब्द पहेली - 2584 का हल

रोनाल्डो के बिना भी पुर्तगाल ने लक्जमबर्ग को 9-0 से रौंदा

वाशिंगटन। पुर्तगाल ने अपने स्टार स्ट्राइकर क्रिस्टियानो रोनाल्डो के बिना ही यूरोपीय चैंपियनशिप क्वालीफाइंग में लक्जमबर्ग को 9-0 से करारी शिकस्त देकर प्रतिस्पर्धी फुटबॉल में अपनी अब तक की सबसे बड़ी जीत दर्ज की। रोनाल्डो ग्रुप जे के पिछले मैच में दो पीले कार्ड मिलने के कारण एक मैच का निलंबन झेल रहे थे और इस कारण वह लक्जमबर्ग के खिलाफ मैदान पर नहीं उतर पाए।

पुर्तगाल को हालांकि इस मैच में उनकी कमी नहीं खली। अल्गार्वे में खेले गए इस मैच में उनकी तरफ से गोंकालो इनासियो और डिओगो जोटा ने दो-दो जबकि रिकार्डो होर्टा, ब्रूनो फर्नांडीस और जोआओ फेलिक्स ने एक-एक गोल किया। अड़तीस वर्षीय रोनाल्डो ने अपने 123 अंतरराष्ट्रीय गोल में इजाफा करने का बेहतरीन मौका गंवाया लेकिन उन्हें ग्रुप चरण में अभी चार और मौके मिलेंगे। पुर्तगाल की यह लगातार छठी जीत है। क्वालीफाइंग में किसी भी अन्य टीम ने इतनी जीत दर्ज नहीं की हैं। पुर्तगाल अब दूसरे नंबर पर काबिज स्लोवाकिया से पांच अंक आगे हो गया है।

प्रत्येक ग्रुप से चोटी पर रहने वाली दो टीमें स्वतः ही क्वालीफाई करेंगी। यूरोपीय चैंपियनशिप के क्वालीफाइंग में सबसे बड़ी जीत का रिकॉर्ड अब भी जर्मनी के नाम है जिसने 2006 में सैन मेरिनो को 13-0 से हराया था। ग्रुप के अन्य मैचों में स्लोवाकिया ने लिचेंस्टीन को 3-0 से और आइसलैंड ने बोस्निया-हर्जेगोविना को 1-0 से हराया। इस बीच ग्रुप डी में क्रोएशिया ने आर्मेनिया को 1-0 से हराया। उसकी तरफ से आंद्रे क्रामारिच ने 13वें मिनट में गोल किया जो आखिर में निर्णायक साबित हुआ। इस जीत से क्रोएशिया ग्रुप में शीर्ष पर पहुंच गया है। इसी ग्रुप के एक अन्य मैच में वेल्स ने लातविया को 2-0 से पराजित किया।

किरण जार्ज ने जीता इंडोनेशिया मास्टर्स का खिताब

मेदान (इंडोनेशिया)। भारत की युवा सनसनी किरण जॉर्ज ने जापान के कू ताकाहाशी को 21-19,22-20 से हरा कर इंडोनेशिया मास्टर्स ट्रॉफी के पुरुष एकल का खिताब अपने नाम कर लिया है। किरण ने 56 मिनट तक चले कड़े मुकाबले में दुनिया के 82वें नंबर के खिलाड़ी ताकाहाशी को सीधे सेटों में धूल चटाई। मैच की शुरुआत में पिछड़ने के बाद किरण ने अपने गेम में सुधार करते हुए ताकाहाशी से 18-15 की बढ़त हासिल कर ली। ताकाहाशी ने हालांकि एक समय इस अंतर को 19-20 कर दिया मगर किरण ने गेम जीत कर मनोवैज्ञानिक बढ़त हासिल कर ली।

दूसरे गेम में भी दोनों खिलाड़ियों के बीच कड़ा मुकाबला हुआ। स्कोर एक समय 6-6 की बराबरी पर था लेकिन किरण ने 16-11 की बढ़त बना ली। ताकाहाशी ने हार नहीं मानी और स्कोर 19-19 कर दिया किरण इस बीच पहला मैच प्वाइंट भुनाने में नाकाम रहे लेकिन दूसरा मैच प्वाइंट भुना कर उन्होंने मुकाबला जीत लिया।

प्रकाश पादुकोण बैडमिंटन अकादमी के निदेशक और पूर्व राष्ट्रीय कोच विमल कुमार ने कहा, 'यह शानदार जीत है, यह इन अवसरों को भुनाने और लगातार अच्छा खेलने के बारे में है। देश के अन्य खिलाड़ी भी युवा और समान रूप से अच्छे हैं, इसलिए मैं उनसे काफी खुश हूं।' इस साल जनवरी में अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग 43वें नंबर पर पहुंचने वाले किरण ने बीते मई-जून में थाईलैंड ओपन में चीन के शीर्ष खिलाड़ियों शी युकी और वेंग होंगयांग को हराकर अपना दमखम दिखाया था।

मैं इन्हें अपना इरादा दिखाना चाहता था- पाक के खिलाफ अर्धशतकीय पारी खेलकर बोले शुभमन गिल

वाशिंगटन। एशिया कप 2023 के तहत भारत और पाकिस्तान के बीच खेले गए मुकाबले के दौरान विराट कोहली और केएल राहुल के बड़े शतक सामने आए। भारतीय टीम ने बारिश से प्रभावित मैच में पहले खेलते हुए 356 रन बनाए। टीम इंडिया को शुभमन गिल और रोहित शर्मा ने अच्छी शुरुआत देते हुए अर्धशतक भी लगाए थे। दोनों पिछले मुकाबले में असफल रहे थे। खास तौर पर शुभमन गिल को सोशल मीडिया पर पाक क्रिकेटरों ने जमकर निशाना बनाया था। अब ग्रुप 4 में उन्होंने ताबड़तोड़ अर्धशतक लगाकर खुद को साबित किया। टीम इंडिया ने जब पहली पारी में दो विकेट खोकर 356 रन बनाए तो शुभमन गिल ने प्रेस वार्ता में अपनी रणनीति पर खुलकर बात की। उन्होंने मैच पर कहा कि यह हमारे लिए बहुत खास था। वह (राहुल) चोट से वापसी के बाद अपना पहला मैच खेल रहे थे और इन परिस्थितियों में शतक बनाने में सक्षम होना बहुत शानदार था। जाहिर तौर पर विराट भाई ने भी अपना शतक पूरा किया और 13000 रन बनाए जो हम सभी के लिए उनकी महान प्रेरणा को दर्शाता है।

एशियाई खेलों में लक्ष्मण भारत की पुरुष और कानितकर महिला टीम के होंगे कोच

नई दिल्ली। वीवीएस लक्ष्मण और ह्रषिकेश कानितकर 2023 एशियाई खेलों में क्रमशः भारत की पुरुष और महिला टीमों के मुख्य कोच होंगे। साईराज बहुतुले पुरुष टीम के गेंदबाजी कोच होंगे, जबकि मुनीश बाली उनके क्षेत्ररक्षण कोच होंगे। महिला टीम के लिए राजीब दत्ता गेंदबाजी कोच और सुभदीप घोष फील्डिंग कोच होंगे। दोनों टीमें क्वार्टर फाइनल चरण में प्रतियोगिता में प्रवेश करेंगी। नवीनतम कार्यक्रम के अनुसार, भारत के पुरुषों का क्वार्टर फाइनल मैच 3 अक्टूबर को है और यदि वे क्वालीफाई करते हैं तो सेमीफाइनल 5 अक्टूबर को होने की संभावना है। फाइनल 7 अक्टूबर को निर्धारित है। भारत की महिला टीम का क्वार्टर फाइनल 21 सितंबर को निर्धारित है, सेमीफाइनल 23 सितंबर को और फाइनल 25 सितंबर को होगा। खेल झेजियांग यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नोलॉजी (जेडजेयूटी) में पिंगफेंग परिसर क्रिकेट मैदान पर खेले जाएंगे।

एशियाई खेलों में भारत की पुरुष इकाई दूसरी पंक्ति की टीम होगी, जिसका नेतृत्व रुतुराज गायकवाड़ करेंगे। मुख्य टीम 5 अक्टूबर से शुरू होने वाले विश्व कप की तैयारी कर रही है।

कानितकर ने पिछले साल दिसंबर में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ घरेलू टी20 सीरीज और फिर दक्षिण अफ्रीका में त्रिकोणीय सीरीज और उसके बाद इस साल की शुरुआत में टी20 विश्व कप के लिए महिला टीम को कोचिंग दी। महिला टीम पिछले साल दिसंबर से स्थायी मुख्य कोच के बिना है, जब रमेश पोवार को एनसीए में स्थानांतरित कर दिया गया था।

भारत के पूर्व गेंदबाज नूशिन अल खादीर को बांग्लादेश के सफेद गेंद दौरे के लिए टीम का अंतरिम मुख्य कोच नियुक्त किया गया था। बीसीसीआई की क्रिकेट सलाहकार समिति ने महिला मुख्य कोच पद के लिए तीन नामों को शॉर्टलिस्ट किए थे, जिनका साक्षात्कार हो चुका है, लेकिन किसी भी नियुक्ति पर कोई अपडेट नहीं आया है।

पुरुष टीम में, तिलक वर्मा की उपलब्धता पर संदेह है, क्योंकि उन्हें विश्व कप के लिए स्टैंडबाय पर भारत में रहने के लिए कहा जा सकता है, क्योंकि श्रेयस अय्यर को एशिया कप में रविवार को पाकिस्तान के खिलाफ सुपर फोर मुकाबले से ठीक पहले पीठ में ऐंठन का सामना करना पड़ा था।

शुरुआत में महिला टीम का नेतृत्व स्मृति मंधाना करेंगी। यदि भारत सेमीफाइनल में पहुंचता है, तो हरमनप्रीत कौर, जिन पर अनुशासनात्मक मुद्दों के लिए दो मैचों का अंतरराष्ट्रीय प्रतिबंध लगाया गया था, फाइनल या तीसरे स्थान के प्लेऑफ़ में नेतृत्व करने के लिए वापस आएंगी।

महिला एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी : थाईलैंड के खिलाफ अभियान की शुरूआत करेगा भारत

रांची। एशियाई हॉकी महासंघ और हॉकी इंडिया ने झारखंड महिला एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी 2023 के आगामी संस्करण के लिए कार्यक्रम की घोषणा की। टूर्नामेंट की शुरुआत मलेशिया और जापान के बीच खेले जाने वाले पहले मैच से होगी, जबकि मेजबान भारत अपने अभियान की शुरुआत पहले दिन (27 अक्टूबर) के तीसरे मैच में थाईलैंड के खिलाफ करेगा।

महिला एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी 2023 में कोरिया, मलेशिया, थाईलैंड, जापान, चीन और भारत प्रतिष्ठित ट्रॉफी जीतने के लिए प्रतिस्पर्धा करेंगे। छह टीमों का टूर्नामेंट 27 अक्टूबर को शुरू होगा और 5 नवंबर को समाप्त होगा। सभी टीमें वन पूल का हिस्सा हैं और शीर्ष चार टीमें सेमीफाइनल के लिए क्वालीफाई करेंगी, जहां तालिका में शीर्ष पर रहने वाली टीम चौथे स्थान पर रहने वाली टीम से भिड़ेगी और दूसरे और तीसरे स्थान पर रहने वाली टीमें एक-दूसरे से खेलेंगी।

डिफेंडिंग चैंपियन जापान को टूर्नामेंट के इतिहास की सबसे शानदार टीम कोरिया से कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ेगा, जिसने 2010, 2011 और 2016 में टूर्नामेंट के छह में से तीन संस्करण जीते हैं। मेजबान भारत विशेष रूप से बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेलों में ऐतिहासिक कांस्य और एफआईएच हॉकी महिला राष्ट्र कप स्पेन 2022 में खिताबी जीत के बाद अच्छी फॉर्म में है। मेजबान टीम ने 2016 में एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी भी जीती है और 2018 में उपविजेता रही। भारतीय टीम 27 अक्टूबर को थाईलैंड के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करेगी और 2 नवंबर को ग्रुप चरण के आखिरी मैच में कोरिया से भिड़ेगी। एशियाई हॉकी महासंघ के अध्यक्ष, दातो फुमियो ओगुरा ने कहा, 'यह एशियाई हॉकी समुदाय के लिए एक महत्वपूर्ण अवसर है, और हम प्रतिष्ठित महिला एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी में शीर्ष स्तर की हॉकी प्रतियोगिता देखने का उत्सुकता से इंतजार कर रहे हैं। मैं इस आयोजन की मेजबानी के लिए और एशिया में हॉकी के विकास के लिए उनके अटूट समर्थन और प्रतिबद्धता के लिए हॉकी इंडिया की हार्दिक सराहना करता हूं। इसके अलावा, मैं महिला एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी की मेजबानी में उनके गर्मजोशी भरे आतिथ्य और उत्साह के लिए झारखंड राज्य के प्रति अपना आभार व्यक्त करता हूं। चेन्नई के बाद, हम हॉकी इंडिया के सहयोग से एक और शानदार आयोजन का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। इस अवसर पर हॉकी इंडिया के अध्यक्ष पद्मश्री डॉ. दिलीप टिर्की ने कहा, 'हमें एक और प्रमुख एशियाई टूर्नामेंट की मेजबानी करने पर गर्व है और मुझे यकीन है कि झारखंड महिला एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी रांची 2023 कुछ शीर्ष महिला हॉकी खिलाड़ियों के साथ एक शानदार प्रदर्शन होगा।

शर्मनाक हार के बाद बोले बाबर आजम हमने अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास किया

कोलंबो। शर्मनाक हार मिलने के बाद पाकिस्तान क्रिकेट टीम के कप्तान बाबर आजम भी निराश दिखे। उन्होंने मैच के बाद कहा कि मौसम हमारे हाथ में नहीं था लेकिन हमने अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास किया। हम अपनी बल्लेबाजी और गेंदबाजी में अच्छे प्रदर्शन नहीं कर सके। उन्होंने (भारतीय सलामी बल्लेबाजों) हमारे गेंदबाजों के लिए योजना बनाई थी और अच्छी शुरुआत की और इसके बाद विराट और राहुल ने इसे आगे बढ़ाया। जसप्रीत और सिराज ने पहले 10 ओवरों में अच्छी गेंदबाजी की और गेंद को दोनों तरफ घुमाया, लेकिन हमारी बल्लेबाजी उम्मीद के मुताबिक नहीं रही। अगर यह सही रहती तो हम इस टोटल के लिए जा सकते थे।

बाबर आजम का इसी के साथ टीम इंडिया के खिलाफ खराब प्रदर्शन भी जारी रहा। वह अब तक भारत के खिलाफ सात वनडे मुकाबले खेल चुके हैं लेकिन एक में भी वह अर्धशतक नहीं बना पाए हैं। टूर्नामेंट के ग्रुप चरण में उनकी बल्लेबाजी नहीं आई थी। लेकिन सुपर 4 मुकाबले में जब टीम को 357 रन की

जरूरत थी तब वह 10 रन बनाकर पवेलियन लौट गए। देखें बाबर की भारत के खिलाफ पारियां- 8 (12), 46 (52), 47 (62), 9 (25), 48 (57), -- (--), 10 (24)

ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए वेस्टइंडीज की महिला क्रिकेट टीम घोषित, युवा खिलाड़ियों को मौका

नई दिल्ली। वेस्टइंडीज ने अक्टूबर में ऑस्ट्रेलिया के आगामी टी20 और वनडे दौरे के लिए ऑफस्पिनर करिश्मा रामहरैक और अंडर 19 संभावित जेनिलिया ग्लासगो को टीम में शामिल किया है। हाल ही में महिला कैरेबियन प्रीमियर लीग में शीर्ष प्रदर्शन करने वाली कई खिलाड़ियों के साथ-साथ जुलाई में घरेलू टी20 श्रृंखला में आयरलैंड को 3-0 से हराने वाली टीम की मुख्य खिलाड़ियों को 15 सदस्यीय मजबूत टीम में शामिल किया गया है।

टीम का नेतृत्व स्टार ऑलराउंडर हेले मैथ्यूज करेंगी और नए कोच शेन डिट्ज़ के नेतृत्व में यह टीम का पहला दौरा है। इस साल की शुरुआत में टीम के प्रदर्शन की समीक्षा के बाद और अनुबंध का नवीनीकरण नहीं होने के बाद कर्टनी वॉल्श को कोच के पद से हटा दिया गया था।

दक्षिण ऑस्ट्रेलिया के साथ

लगभग एक दशक लंबे प्रथम श्रेणी करियर के अलावा, डिट्ज़ की वानुअतु के साथ पुरुष एसोसिएट क्रिकेट में एक खिलाड़ी और कोच के रूप में भारी भागीदारी रही है और उन्होंने बांग्लादेश महिला और नीदरलैंड महिला टीमों दोनों को कोचिंग दी है। वेस्टइंडीज की प्रमुख महिला चयनकर्ता एन ब्राउन-जॉन टीम में युवाओं और अनुभव के मिश्रण से उत्साहित हैं। ब्राउन-जॉन ने कहा, चयन पैनल ने आयरलैंड के खिलाफ घरेलू श्रृंखला में विजयी रहे अधिकांश खिलाड़ियों को बरकरार रखने का फैसला किया है। राइजिंग स्टार्स महिला अंडर 19 टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन करने के बाद जेनिलिया ग्लासगो को 15 सदस्यीय टीम में शामिल किया गया है और हम करिश्मा रामहरैक की वापसी देख रहे हैं।

चोटिल रऊफ और नसीम का एशिया कप के बाकी मैचों में खेलना संदिग्ध

कोलंबो। रविवार और सोमवार को कोलंबो में भारत के खिलाफ सुपर फोर मैच के दौरान चोट लगने के बाद पाकिस्तान के तेज गेंदबाज हारिस रऊफ और नसीम शाह का एशिया कप के शेष बचे मैचों में खेलना संदिग्ध है।ईएसपीएनक्रिकइंफो के अनुसार, गुरुवार को श्रीलंका के खिलाफ पाकिस्तान के अगले मैच में इन दोनों तेज गेंदबाजों का न खेलना लगभग तय है, और यदि पाकिस्तान फाइनल में पहुंचता है तो भी इन दोनों का फाइनल में खेलना अनिश्चित है।

पाकिस्तान ने इन दोनों के बैकअप के रूप में शाहनवाज दहानी और जमान खान को बुलाया है। पीसीबी ने हालांकि यह स्पष्ट कर दिया है कि रऊफ और नसीम को टूर्नामेंट से बाहर नहीं किया गया है और वे टीम के मेडिकल पैनल की निगरानी में रहेंगे। पीसीबी के एक आधिकारिक बयान में कहा,

अगले महीने आईसीसी पुरुष क्रिकेट विश्व कप से पहले खिलाड़ियों की फिटनेस और भलाई को ध्यान में रखते हुए यह केवल एक एहतियाती कदम है। रऊफ और नसीम टीम के मेडिकल पैनल की निगरानी में बने रहेंगे। यदि नसीम या हारिस अगले सात दिनों के लिए बाहर हो जाते हैं तो टीम प्रबंधन केवल एसीसी तकनीकी समिति से प्रतिस्थापन का अनुरोध करेगा। रऊफ को रविवार को थोड़ी असुविधा महसूस हुई, जिसके कारण उन्हें सोमवार को मैदान में उतरने से रोका गया, जबकि नसीम रिजर्व डे पर भारत की पारी के 49वें ओवर में अपने गेंदबाजी कंधे में चोट के कारण मैदान से बाहर चले गए।

एशिया कप: भारत ने दर्ज की बड़ी जीत, पाकिस्तान को 228 रनों से दी मात

कोलंबो। भारत ने एशिया कप 2023 के सुपर-4 में पाकिस्तान को 228 रन से करारी शिकस्त दी है। बारिश से बाधित यह मैच दो दिन में समाप्त हुआ। रविवार को मुकाबला शुरू हुआ पर बारिश के चलते पूरा नहीं हो सका। भारत ने खेल रोके जाने तक 24.1 ओवर में 147 रन बनाए थे। सोमवार को मैच का रिजर्व डे था। भारतीय टीम ने आगे खेलते हुए 50 ओवर में 356 रन बनाए। जवाब में पाकिस्तान की टीम 32 ओवर में 128 रन पर ही ढेर हो गई। इस तरह भारत 228 रन बड़ी जीत दर्ज की। इस मैच में पहले विराट कोहली और केएल राहुल ने शानदार शतक लगाया। कोहला ने एकदिवसीय करियर का 47वां शतक जड़ा और वो 122 रन बनाकर नाबाद रहे। वहीं, केएल

राहुल ने 111 की नाबाद पारी खेली। भारतीट टीम के 367 रने के दिए लक्ष्य का पीछा करने उतरी पाकिस्तानी टीम की शुरुआत काफी खराब रही। पाक टीम के सिर्फ चार बल्लेबाज दहाई का आंकड़ा पार कर सके। सलामी बल्लेबाज फखर जमान ने सबसे ज्यादा 27 रन बनाए। वहीं आगा असलम और इफ्तिखार अहमद ने 23-23 रनों की पारी खेली। जबकि कप्तान बाबर आजम मात्र 10 बनाकर आउट हुए। भारत की तरफ से स्पिनर कुलदीप यादव ने पांच विकेट लेकर पाकिस्तान बल्लेबाजी क्रम की कमर तोड़ दी। बुमराह, हार्दिक पांड्या और शार्दुल ठाकुर को एक-एक सफलता मिली। इस मैच में पाकिस्तान के 8 विकेट गिरते ही मुकाबला खत्म हो गया क्योंकि नसीम शाह और हारिस रऊफ मैदान पर आने के लिए फिट नहीं थे। उल्लेखनीय है कि इससे पहले भारतीय टीम ने मीरपुर में पाकिस्तान के खिलाफ 2008 में 140 रनों की जीत दर्ज की थी। जबकि कोच्चि में 2005 में भारतीय टीम ने पाकिस्तान को 87 रन से हराया था।

कश्मीर की रूबिया सैयद महिला आईपीएल में खेलेंगी, इस टीम में हुई शामिल

श्रीनगर। दक्षिणी कश्मीर की 29 वर्षीय ऑलराउंडर महिला क्रिकेटर एवं रुबिया सैयद को आगामी महिला इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के लिए गुजरात जाइंट्स टीम ने चुना है। जम्मू कश्मीर में अनंतनाग जिले के बुदासगाम गांव निवासी रुबिया क्रिकेट टूर्नामेंट के लिए चुनी जाने वाली दूसरी कश्मीरी महिला है। इससे पहले दाएं हाथ की बल्लेबाज जसिया अख्तर कश्मीर की पहली महिला क्रिकेटर थीं, जिन्होंने आईपीएल टीम के लिए भी खेला था। राष्ट्रीय महिला क्रिकेट टीम में शामिल होने की आकांक्षी रुबिया ने कहा, 'मैं आईपीएल से बुलावे के लिए बहुत खुश हूं, मैं गुजरात जायंट्स में शामिल होने के लिए बहुत उत्साहित हूं। मैं खुद को भारत की एकादश में देखना चाहती हूं ताकि अंतरराष्ट्रीय

क्रिकेट खेलकर अपनी क्षमता दिखा सकूं और देश और अपने राज्य जम्मू-कश्मीर का नाम रोशन कर सकूं।'

उन्होंने कहा, 'एक मुकाम हासिल करने के लिए हर किसी को कड़ी मेहनत और संघर्ष करना पड़ता है। मेरे शिक्षकों ने मुझे यहां तक पहुंचने में कड़ी मेहनत की है।' उन्होंने बताया कि जब स्कूल में राष्ट्रीय क्रिकेट टूर्नामेंट आयोजित हो रहे थे तो उनके शिक्षकों ने उनका मार्गदर्शन किया और बाद में कोचों ने उन्हें खेल के तकनीकी और अन्य पहलुओं के बारे में सिखाया। रूबिया 2012 से क्रिकेट खेल रही हैं और पिछले कई वर्षों से जम्मू और कश्मीर क्रिकेट एसोसिएशन (जेकेसीए) का प्रतिनिधित्व कर रही हैं। उन्होंने बुडासगाम के गर्ल्स हायर सेकेंडरी स्कूल में पढ़ाई की और स्कूल के दिनों से ही अपने शिक्षकों के मार्गदर्शन में क्रिकेट खेलना शुरू कर दिया। उन्होंने कहा, 'मुझे यकीन है कि मैं विश्व स्तर पर क्रिकेट खेलूंगी।' रुबिया के पिता गुलाम कादिर शेख एक फल व्यापारी हैं, उन्होंने वित्तीय बाधाओं के बावजूद हमेशा रुबिया का समर्थन किया है।

'मैं हमेशा याद रखूंगा...', पाकिस्तान के खिलाफ 5 विकेट लेकर बोले कुलदीप यादव

कोलंबो । बाएं हाथ के कलाई के स्पिनर कुलदीप यादव का मानना है कि सीधे रन-अप और आक्रामक लय सहित उनकी तकनीक में बदलाव से उन्हें अपनी गेंदबाजी में सुधार करने और एकदिवसीय क्रिकेट में सफलता हासिल करने में मदद मिली है। 28 वर्षीय खिलाड़ी ने इस साल 14 मैचों में 27 विकेट लिए हैं जो वनडे में किसी भारतीय गेंदबाज द्वारा सबसे ज्यादा है।

सोमवार को पाकिस्तान के खिलाफ 228 रन की जीत में पांच विकेट लेकर अहम भूमिका निभाने वाले कुलदीप ने मैच के बाद कहा, '(घुटने की) सर्जरी (पिछले साल) के बाद मेरा रन-अप बहुत सीधा हो गया है, और लय आक्रामक हो गई है। मेरा हाथ गिर जाता था लेकिन उस पर नियंत्रण कर लिया गया है और अब यह (हाथ) बल्लेबाज के सामने है।'

कुलदीप ने कहा कि उन्होंने अपनी दक्षता में सुधार के लिए सर्जरी के बाद स्पिन और ड्रिफ्ट पर काम किया है। उन्होंने कहा, 'मैंने इस बात का पूरा ध्यान रखा कि मैं अपनी गति को खोए बिना अपनी स्पिन और ड्रिफ्ट को न खोऊं। अगर एक लेग स्पिनर अच्छी लेंथ पर गेंद डालता है, तो वह अधिक नियमित रूप से विकेट ले सकता है और ढीली गेंदों को कम किया जा सकता है। आप लगातार बने रह सकते हैं।'

कुलदीप ने कहा कि उन्होंने क्रीज पर उतरते समय अपने घुटने पर भार कम करने के लिए सर्जरी के बाद

एनसीए के फिजियो आशीष कौशिक के साथ काम किया। उन्होंने कहा, 'मैं अपनी जिप, निप या ड्रिफ्ट खोना नहीं चाहता था। सर्जरी के बाद मैं एनसीए में तीन महीने के लिए स्वास्थ्य लाभ के लिए गया और फिजियो आशीष कौशिक ने कहा कि मुझे अपने घुटने पर भार कम करना होगा। इसलिए मैंने अपनी लय को तेज करने के लिए काम किया।'

हालांकि कुलदीप ने कहा कि शीर्ष स्तर के क्रिकेट में दोबारा तैयार किए गए एक्शन को काम में लाने में उन्हें कुछ समय लगा। उन्होंने कहा, 'मैंने कानपुर में एक अभ्यास मैच में नए एक्शन को आजमाया। बल्लेबाज मेरा सामना करने के लिए संघर्ष कर रहे थे। लेकिन आईपीएल में और वेस्टइंडीज दौरे के दौरान भी मैं इससे (एक्शन) संघर्ष कर रहा था।' 'इस स्तर पर काम करने में मुझे कुछ 6-7 मैच लगे। पाकिस्तान जैसे शीर्ष प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ प्रदर्शन करना मुझे प्रेरित करता है।'

उन्होंने कहा, 'मैं हमेशा याद रखूंगा कि जब मैं संन्यास लूंगा तो मैंने पाकिस्तान के खिलाफ पांच विकेट लिए थे। यह मेरे लिए बहुत बड़ी बात है क्योंकि पाकिस्तान के खिलाड़ी स्पिन को अच्छा खेल सकते हैं। यदि आप ऐसी टीम के खिलाफ प्रदर्शन करते हैं जो उपमहाद्वीप में स्पिन को अच्छा खेलती है, तो यह आपको प्रेरित करता है।'

संकीर्तन, हवन यज्ञ और भंडारे के साथ हुआ भागवत कथा का समापन

टीम एक्शन इंडिया/नई दिल्ली

बाहरी दिल्ली के नरेला स्थित नई अनाज मंडी में श्री श्याम नवयुवक मंडल द्वारा आयोजित श्रीमद् भागवत कथा रविवार को संपन्न हुई। कथा के समापन पर हवन यज्ञ, श्री श्याम संकीर्तन एवं विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। भारी संख्या में श्रद्धालुओं ने पहले हवन यज्ञ में आहुति डाली और फिर प्रसाद ग्रहण कर पुण्य लाभ कमाया। कथावाचक आचार्य गोस्वामी श्री मृदुल कृष्ण जी महाराज ने 4 से 11 सितंबर तक चली कथा में भक्तों को श्रीमद् भागवत कथा की महिमा बताई, उन्होंने लोगों से भक्ति मार्ग से जुड़ने और सत्कर्म करने को कहा। बाहरी दिल्ली के नरेला में श्री श्याम नवयुवक मंडल द्वारा आयोजित सात दिवसीय संगीतमय श्रीमद् भागवत कथा रविवार को संपन्न हो गई। कथा के समापन पर सोमवार को प्रात हवन यज्ञ व भंडारे का आयोजन किया गया। वही शाम को श्री खाटू श्याम संकीर्तन महोत्सव का भव्य आयोजन किया गया। जिसमें हजारों की संख्या में पहुंचे श्रद्धालुओं ने श्याम बाबा के समक्ष माथा टेका और मन्नतें मांगी।

हवन यज्ञ व भंडारे का हुआ आयोजन : कथा समापन के अवसर पर सोमवार को सुबह हवन यज्ञ का आयोजन किया गया, जिसमें भारी संख्या में श्रद्धालुओं ने हवन यज्ञ में आहुति डाली। इसके पश्चात विशाल भंडारे का आयोजन किया गया जिसमें पूरे क्षेत्र से हजारों की संख्या में पहुंच कर लोगों ने प्रसाद ग्रहण कर पुण्य लाभ प्राप्त किया। दोपहर को शुरू हुए भंडारे में शाम तक क्षेत्रीय जनप्रतिनिधियों के पहुंचने का सिलसिला

जारी रहा।

खाटू श्याम संकीर्तन का हुआ भव्य आयोजन: कथा समापन के अवसर पर सोमवार शाम को श्री श्याम नवयुवक मंडल द्वारा भव्य श्री खाटू श्याम संकीर्तन का आयोजन किया गया। संकीर्तन का शुभारंभ बाबा खाटू श्याम की प्रतिमा के सम्मुख अखंड ज्योति प्रचलित कर किया गया। संकीर्तन में भजन गायक शुभम, रूपम, मीनू शर्मा ने श्याम प्रभु खाटू वाले के भजनों की एक से बढ़कर एक सुंदर प्रस्तुति देकर सबको झूमने पर मजबूर कर दिया।

श्याम 8 बजे से शुरू हुए संकीर्तन में सुबह भोर तक श्रद्धालु भजनों पर झूमते रहे। श्याम बाबा की जय, हारे के सहारे की जय, तीन बाण धारी की जय, के जयकारों से पूरा पांडाल गूंज उठा। संकीर्तन में श्याम सलोना श्रृंगार, अखंड ज्योति, छप्पन भोग, इत्र वर्षा पुष्प वर्षा मुख्य आकर्षण का केंद्र रहे। कार्यक्रम में नरेला से पूर्व विधायक नीलदमन खत्री, नरेला से पूर्व निगम पार्षद सविता नरेश खत्री, मोहित गुप्ता, प्रमोद नरवाल, कपिल भारद्वाज, संजय बंसल, महामंत्री पवन खत्री, (मोनी) महामंत्री योगेश शर्मा, मांगे राम अत्रि, अजय बंसल, विकाश गर्ग,भानु आनंद प्रकाश खत्री, मीना खत्री, मोहित गौतम,अजय, टोनी, अर्चित गर्ग, आशु जिन्दल, ऋषभ बंसल, सौरभ गर्ग, मुकुल बंसल, हिमांशु गोयल, ऋषभ गर्ग, राहुल बंसल, आदित्य गुप्ता, हिमांशु गोयल, चिराग गुप्ता, हर्ष मंगला, दीपक कौशिक, गौतम बंसल, कमल, इशांत गर्ग सहित हजारों की संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे।

'इनेलो को कांग्रेस से कोई परहेज नही'

टीम एक्शन इंडिया/रेवाड़ी

इनेलो को कांग्रेस से कोई परहेज नही है। कांग्रेस को भी इनेलो से परहेज नहीं करना चाहिए।अभय चौटाला ने बताया कि 25 सितंबर को कैथल में पूर्व उप प्रधानमंत्री चौधरी देवीलाल की जयंती सम्मान दिवस के रूप में मनाई जाएगी। इस दिन बड़ी रैली की जाएगी। जिसमें इंडिया अलाइंस के तमाम नेताओं को न्योता भेजा गया है। ऐलनाबाद से विधायक अभय चौटाला मंगलवार को रेवाड़ी में पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। चौटाला ने कहा कि रैली में बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के अलावा लालू प्रसाद यादव, फारूख अब्दुला, उद्धव ठाकरे, सतपाल मलिक, सुखबीर बादल, जयंत चौधरी सहित तमाम नेता आएंगे। कांग्रेस को न्योता देने के सवाल पर कहा कि इस पर कल गुरुग्राम में होने वाली बैठक में विचार करेंगे। उन्होंने कहा कि चौधरी देवीलाल एक नेता नहीं बल्कि संस्था थे। मुझे नहीं लगता कि उनके सम्मान में होने वाले कार्यक्रम में कोई नेता आने से गुरेज करेगा। उन्होंने कहा कि मैंने चौधरी बीरेन्द्र सिंह को भी न्योता दिया है। वे भी आएंगे। अभय चौटाला ने जननायक जनता पार्टी पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा कि जेजेपी का जनाधार सिमट चुका है। अब सिर्फ कुछ स्वार्थी लोग ही वहां बचे हैं।

एम्स, ऋषिकेश में आयुष्मान मरीजों के लिए अब प्रत्येक तल पर पंजीकरण की सुविधा

टीम एक्शन इंडिया/ऋषिकेश

आयुष्मान कार्ड धारक मरीजों को अब एम्स, ऋषिकेश में इलाज के पंजीकरण कराने के लिए लंबी लाइन में खड़ा नहीं होना पड़ेगा। एम्स अस्पताल प्रशासन ने सुविधाओं में इजाफा करते हुए अस्पताल बिल्डिंग के प्रत्येक तल पर आयुष्मान पंजीकरण काउंटर की व्यवस्था सुनिश्चित कर दी है। मंगलवार को नई सुविधाओं के बाबत एम्स के चिकित्सा अधीक्षक प्रोफेसर संजीव कुमार मित्तल ने बताया कि एम्स में इलाज के लिए आने वाले मरीजों के लिए यह एक अच्छी खबर है। अभी तक भर्ती पर्चा बनवाने और डिस्चार्ज प्रक्रिया हेतु मरीजों व उनके तीमारदारों को लंबी लाइनों में खड़ा रहना पड़ता था, लेकिन अब अस्पताल प्रशासन ने इस समस्या का निस्तारण करते हुए आयुष्मान कार्डधारक मरीजों के सुविधार्थ प्रत्येक तल पर पंजीकरण काउंटर

खोल दिए हैं। इन काउंटरों पर आयुष्मान कार्ड धारक मरीज को अस्पताल में भर्ती और डिस्चार्ज कराने की सुविधा एक ही स्थान पर उपलब्ध होगी। यह काउंटर चौबीस घन्टे कार्य करेंगे। प्रोफेसर संजीव का कहना था कि अस्पताल ब्लॉक के तृतीय, चतुर्थ, पंचम और छठे तल पर अलग-अलग आयुष्मान काउंटर खोले गए हैं। इन सभी तलों पर स्थित विभिन्न वार्डों में भर्ती आयुष्मान कार्ड धारक मरीजों को अब एडमिशन, डिस्चार्ज और बिलिंग आदि कार्यों के लिए ग्राउंड फ्लोर पर आने की आवश्यकता नहीं है।